RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 अंक-297 जयपुर, रविवार, 26 अप्रैल 2026 मूल्य-4 रूपये

4 दिन में 1.24 लाख लोग पहुंचे केदारनाथ

भैरवनाथ के कपाट खुलने के बाद धाम में सांयकालीन आरती शुरू

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा ने रफ्तार पकड़ ली है। धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। अब तक करीब 1 लाख 24 हजार 782 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं, जिससे यात्रा को लेकर उत्साह साफ दिखाई दे रहा है।

यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए हैं। दर्शन को सुचारू बनाने के लिए टोकन व्यवस्था लागू की गई है, जिससे श्रद्धालुओं को बिना लंबी प्रतीक्षा के आसानी से दर्शन हो पा रहे हैं।

धाम में ठहरने, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था की गई है। साथ ही, श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें और निश्चिंत होकर यात्रा करें।

हर्षानंद का संतों को चैलेंज- फॉरेन फंडिंग साबित करें

भोपाल

उज्जैन में संन्यास विवाद के बीच स्वामी हर्षानंद गिरि (पूर्व में हर्षा रिछारिया) ने नया वीडियो जारी कर संतों के आरोपों पर जवाब दिया। उन्होंने फॉरेन फंडिंग के आरोपों को खारिज किया। कहा कि एक भी आरोप सही साबित हुआ तो वह अपनी पूरी संपत्ति अर्पित कर देंगी। वहीं आरोप गलत साबित होने पर संबंधित पक्ष से 1 करोड़ मानहानि की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि वे अपनी बैंक डिटेल्स सार्वजनिक करने को तैयार हैं। दो दिन पहले संत समाज के अध्यक्ष अनिलानंद महाराज ने उनके संन्यास पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि बार-बार संन्यास लेने की प्रक्रिया सनातन परंपराओं का मजाक बना रही है और यह सब पब्लिसिटी के लिए हो सकता है। साथ ही विदेशी फंडिंग की संभावना भी जताई थी।

अमेरिका-ईरान सुलह के पाकिस्तानी प्रयासों पर फिरा पानी, ईरान के विदेश मंत्री ओमान पहुंचे

अमेरिकी अधिकारियों से बिना मिले लौटे ईरानी विदेशमंत्री, ट्रंप ने रद्द किया पाक दौरा

ईरान ने पाक पीएम और आर्मी चीफ को शर्तें सौंपी, ट्रम्प ने अपने दूतों को इस्लामाबाद जाने से रोका

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची शनिवार शाम इस्लामाबाद से अमेरिकी अधिकारियों से बिना मिले ही लौट गए। उन्होंने अपने दौरे के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, आर्मी चीफ आसिम मुनीर और अन्य अधिकारियों से मुलाकात की।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अराघची ने पाकिस्तान को ईरान की शर्तें और अमेरिकी मांगों पर अपनी आपत्तियां भी सौंप दी हैं। ईरान ने अमेरिका से सीधे बातचीत करने से इनकार कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघेई ने कहा कि ईरान अपनी बात पाकिस्तान के जरिए ही अमेरिका तक पहुंचाएगा।

इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने दूत स्टीव विटकॉफ और दामाद जेरेड कुशनर का पाकिस्तान दौरा रद्द कर दिया। ये दोनों ईरान से बातचीत के लिए इस्लामाबाद जाने वाले थे। फॉक्स न्यूज से बातचीत में ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान बातचीत करना चाहता है, तो वह खुद अमेरिका से संपर्क कर सकता है।

इस्लामाबाद से निकलने के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में अराघची ने कहा कि ईरान ने युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए एक व्यावहारिक खाके पर अपनी स्थिति साझा की है। उन्होंने आगे कहा कि यह देखना बाकी है कि क्या अमेरिका वास्तव में कूटनीति के प्रति गंभीर है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्लामाबाद जाने वाले प्रतिनिधिमंडल का दौरा रद्द कर दिया है। वहीं, नेतृत्व में ईरानी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तानी नेतृत्व के साथ उच्च-स्तरीय बैठकों के एक दिन बाद शनिवार शाम इस्लामाबाद से रवाना हुआ। इससे अमेरिका-ईरान शांति समझौते को मध्यस्थता करने के पाकिस्तान के महत्वाकांक्षी दावों को दूसरे दौर की बातचीत में झटका लगा।

पश्चिम एशिया में संघर्ष का पूर्ण समाधान प्राप्त करने के लिए ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तानी नेताओं को आधिकारिक मांगों की सूची सौंपी। अब पाकिस्तान की ओर से अमेरिका और इस्राइल को ये मांगें बताई जाएंगी। गौरतलब है कि अराघची अपनी तीन देशों की यात्रा के हिस्से के रूप में ओमान और रूस का भी दौरा करेंगे।

ट्रम्प बोले- सीजफायर खत्म करने के बारे में अभी सोचा भी नहीं

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि उन्होंने अभी तक ईरान के साथ सीजफायर खत्म करने के बारे में सोचा भी नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि वह ईरान में 'जो भी फैसले ले रहा है' उसके साथ समझौता करने को तैयार हैं।

ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान के भीतर नेतृत्व को लेकर अंदरूनी संघर्ष चल रहा है। उन्होंने कहा- वे आपस में लड़ रहे हैं... कई मामलों में नेतृत्व के लिए संघर्ष हो रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के पास इस समय पूरी बढ़त है। ट्रम्प के मुताबिक, जब वे चाहें, मुझे कॉल कर सकते हैं। हमारे पास सभी कार्ड हैं, हमने सब कुछ जीत लिया है। ट्रम्प ने बताया कि ईरान की ओर से पहले जो प्रस्ताव दिया गया था, वह पर्याप्त नहीं था। हालांकि, उन्होंने कहा कि जब उन्होंने पाकिस्तान दौरे को रद्द किया, तो तुरंत एक नया प्रस्ताव मिला, जो पहले से बेहतर था। उन्होंने यह भी दोहराया कि अमेरिका की मुख्य मांग यह है कि ईरान परमाणु हथियार न रखे। उनके मुताबिक, ईरान ने कई प्रस्ताव दिए हैं, लेकिन वे अभी भी पर्याप्त नहीं हैं।

हिजबुल्लाह के कई ठिकानों पर भारी बमबारी

सीजफायर के बीच इजरायल ने लेबनान में हिजबुल्लाह के कई ठिकानों पर भारी बमबारी की। इससे 6 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 17 घायल हो गए। यह कार्रवाई सीजफायर बढ़ाए जाने के बावजूद की गई है। नेतन्याहू ने कहा है कि इजराइल को हिजबुल्लाह से आने वाले खतरों के खिलाफ कार्रवाई करने की पूरी आजादी है, भले ही सीजफायर लागू हो।

जम्मू-कश्मीर में एवलांच, कई गाड़ियां 8 फीट बर्फ में दबीं

श्रीनगर/जोजिला

जम्मू-कश्मीर के जोजिला पास के शैतान नाला क्षेत्र में शनिवार को एवलांच (हिमस्खलन) हुआ। इसकी चपेट में आने से कई वाहन 8 फीट से ज्यादा बर्फ में दब गए। एक टैंकर ड्राइवर एवलांच में फंसा हुआ है। सैन्य अधिकारियों के मुताबिक सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीमों को मौके पर भेजा गया और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। टीमें बर्फ हटाने और फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने में जुटी हैं।

हिमस्खलन में 18 लोग बचाए गए हैं। अलबत्ता, कुछ वाहन चालकों को मामूली चोट पहुंची है और उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल द्रास (लद्दाख)में भर्ती कराया गया है।

हिमस्खलन के बाद श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग के सोनमर्ग-द्रास सेक्शन को बर्फ के हटाए जाने तक आम वाहनों की आवाजाही के लिए बंद किया गया है। इसे शीघ्र बहाल करने के लिए सीमा सड़क संगठन के अधिकारी अपने दल बल समेत काम में जुटे हुए हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की है। स्थानीय प्रशासन और बचाव टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई हैं। सड़क पर जमा बर्फ को हटाने और फंसे हुए वाहनों को सुरक्षित निकालने के लिए युद्ध स्तर पर काम चल रहा है।अन्य यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फिलहाल मार्ग पर यातायात की आवाजाही को लेकर सावधानी बरती जा रही है।

राजस्थान के 7 जिलों में बारिश, राजसमंद में गिरे ओले, मौसम विभाग ने दी लू की चेतावनी

जयपुर

राजस्थान में तेज गर्मी के बीच अचानक मौसम बदल गया। बीकानेर, सीकर, सवाई माधोपुर और बाड़मेर जिले में शनिवार को बारिश हुई। राजसमंद जिले में बारिश के साथ ओले भी गिरे। बीकानेर के नोखा में दोपहर में अचानक मौसम बदला और बारिश हुई। वहीं सवाई माधोपुर के गंगापुर सिटी में दोपहर 3 बजे आधे घंटे तक तेज बरसात हुई।

राजसमंद जिले के कुंभलगढ़ में शाम 4 बजे के बाद आधे घंटे तक बारिश हुई। कुछ जगह ओले भी गिरे। सीकर में शाम करीब 4:15 बजे तेज धूप के बीच 5 मिनट तक बारिश हुई। इसके बाद लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली। झुंझुनूं में दोपहर बाद आंधी के साथ बारिश हुई। जयपुर में शाम को आंधी चली। अजमेर में रात 9 बजे बारिश हुई।

वहीं अजमेर में गर्मी को देखते हुए आठवीं तक के बच्चों के स्कूल टाइमिंग में बदलाव किया गया है। मौसम विभाग ने 25 और 26 अप्रैल को हीटवेव की चेतावनी दी है। वहीं दो दिन बाद एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) राज्य में सक्रिय होगा। इसके प्रभाव से 16 जिलों में आंधी चलने के साथ कहीं-कहीं बारिश हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट स्वास्थ्य सेवाओं पर गंभीर

आईसीयू के लिए एक समान मानक हो, राज्य बनाएं एक्शन प्लान

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में गहन चिकित्सा इकाइयों की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को बड़ा आदेश दिया है। अदालत ने कहा है कि आईसीयू के लिए तय न्यूनतम मानकों को लागू करने हेतु सभी राज्य और केंद्रशासित प्रदेश व्यावहारिक और यथार्थवादी कार्ययोजना तैयार करें।

शीर्ष अदालत की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति आर महादेवन शामिल थे, ने 20 अप्रैल के आदेश में कहा कि गहन देखभाल सेवाओं के संगठन और वितरण के लिए दिशानिर्देश तैयार कर ली गई हैं, जिन पर व्यापक सहमति है। अदालत ने कहा कि ये दिशानिर्देश व्यावहारिक, लागू करने योग्य और आईसीयू के लिए न्यूनतम आवश्यक मानक हैं। कोर्ट ने निर्देश दिया कि सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव या सचिव तत्काल विशेषज्ञों की बैठक बुलाएं और इन दिशानिर्देशों को लागू करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करें। अदालत ने कहा कि यह योजना जमीन पर लागू होने योग्य और वास्तविक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बनाई जानी चाहिए।

पीठ ने कहा कि शुरुआती चरण में पांच बुनियादी जरूरतों की पहचान कर उन्हें प्राथमिकता दी जाए। इनमें मानव संसाधन, प्रशिक्षित स्टाफ, उपकरण, लॉजिस्टिक्स और जरूरी ढांचे से जुड़े मुद्दे शामिल होंगे। साथ ही इन मानकों के पालन और निगरानी के लिए स्पष्ट व्यवस्था भी बनाई जाए।

अदालत ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया तुरंत शुरू होनी चाहिए और पहली बैठक एक सप्ताह के भीतर आयोजित की जाए। संबंधित अधिकारी इस बैठक में व्यक्तिगत रूप से शामिल हों। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा तैयार रिपोर्ट भारत सरकार के स्वास्थ्य विभाग सचिव को भेजी जाएगी, जो उसे सभी राज्यों के साथ साझा करेंगे।

भागवत बोले- भारत विश्वगुरु जरूर बनेगा, कोई संदेह नहीं

नागपुर

राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि भारत निश्चित रूप से विश्वगुरु बनेगा और इस पर किसी को संदेह नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब लोग अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण को लेकर संशय में रहते थे। इसे असंभव मानते थे। लेकिन आज वह मंदिर सबके सामने साक्षात खड़ा है। ठीक उसी प्रकार, भारत का विश्वगुरु के रूप में पुनरुत्थान भी पूरी तरह निश्चित है और इस यात्रा को रोका नहीं जा सकता। भागवत ने यह बात नागपुर में नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट परिसर में बनने वाले भारत दुर्गा शक्ति स्थल मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में कही। इस मौके पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और धीरेन्द्र शास्त्री सहित कई धार्मिक नेता भी मौजूद थे।

मणिपुर में प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़े

सुरक्षाबलों ने रोकने के लिए आंसू गैस के गोले चलाए

इंफाल

मणिपुर में स्थायी शांति की मांग कर रहे हजारों लोगों की शनिवार को पुलिस से झड़प हो गई। ये सभी ष्टरू आवास की ओर मार्च करने निकले थे लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के लगाए बैरिकेड्स तोड़ने की कोशिश की। सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के कई गोले दागे।

प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए और तख्तियां थामे हुए बिष्णुपुर जिले में हाल ही में हुए एक बम धमाके में मारे गए दो बच्चों के लिए न्याय और जातीय संघर्ष से प्रभावित आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों के पुनर्वास की मांग की। बाद में प्रदर्शनकारियों के एक समूह को ष्टरूवाई. खेमचंद सिंह से मिलने की अनुमति दी गई। उन्होंने इस मामले पर एक ज्ञापन सौंपा।

रैलियों को रोका, सीए के घर की सुरक्षा बढ़ाई

प्रदर्शनकारियों ने, मैतेई संगठन COCOMI (कोऑर्डिनेटिंग कमिटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी) के बैनर तले चार अलग-अलग रैलियां निकालीं, जिन्हें अलग-अलग जगहों पर रोक दिया गया। ये बाबूपाड़ा इलाके में CM के बंगले की ओर बढ़ रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि ष्टरू के आवास की ओर जाने वाली चारों दिशाओं में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए और बैरिकेड लगाए गए।

राघव चड्ढा के 14 लाख इंस्टाग्राम-फॉलोअर्स घटे

संजय सिंह बोले- 7 राज्यसभा सांसदों को अयोग्य ठहराने के लिए सभापति को चिट्ठी लिखेंगे

नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा जॉइन करने वाले राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के इंस्टाग्राम पर करीब 14 लाख फॉलोअर्स कम हो गए हैं। 24 घंटे पहले उनके फॉलोअर 14.6 मिलियन (1 करोड़ 46 लाख) थे। शनिवार शाम तक यह 13.2 मिलियन (1 करोड़ 32 लाख) बचे हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक यह युवा यूजर्स की प्रतिक्रिया हो सकती है।

आप के 10 राज्यसभा सांसदों में से राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक ने शुक्रवार को BJP जॉइन कर ली थी। राघव चड्ढा ने कहा था कि हरभजन सिंह, विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल, राजेंदर गुप्ता भी हमारे साथ हैं।

इधर, आप नेता संजय सिंह ने बताया कि पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले राज्यसभा सांसदों को अयोग्य ठहराने के लिए राज्यसभा के सभापति को लेटर लिखेंगे। आप का आरोप है कि इन सांसदों का कदम असंवैधानिक है और उन्हें अयोग्य घोषित करना चाहिए।

एसोसिएशन ऑफ रिटायर्ड जजेज एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सम्मेलन आयोजित

सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को मानें लाइब्रेरी, हर दिन नया सीखे युवा पीढ़ीः सीजेआई

सेवानिवृत्त न्यायाधीशों का अनुभव, विद्वता और न्याय-दृष्टि देश की अमूल्य धरोहरः मुख्यमंत्री

जयपुर

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि बुजुर्ग हमारे समाज में एक बावड़ी की तरह कार्य करते हैं, जो समय आने पर अपने अनुभव से किसी भी समस्या का सही समाधान बता सकते हैं। इसी कड़ी में सेवानिवृत्त न्यायाधीश लोक अदालत में मध्यस्थता के जरिए सकारात्मक बदलाव लाने में अपना योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक न्यायाधीश हमेशा न्यायाधीश होता है और सेवानिवृत्त न्यायाधीश एक लाइब्रेरी की तरह है, जिससे आज की युवा पीढ़ी को हर दिन कुछ न कुछ नया सीखना चाहिए। जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में एसोसिएशन ऑफ रिटायर्ड जजेज एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 'द बैंच बियोन्ड रिटायरमेंटः वैकल्पिक विवाद समाधान के संवर्धन और आम जनता में कानून के प्रति जागरूकता में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की भूमिका' विषय पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा कोर्ट में वाद से पहले लोक अदालत का रुख करने की अपील की प्रशंसा करते हुए कहा कि मध्यस्थता किसी भी विवाद का त्वरित समाधान दिला सकती है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि समाज न्यायाधीशों द्वारा कहे गए शब्दों का अनुसरण करता है और इसी से सकारात्मक परिवर्तन आता है। देश के इतिहास में सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों द्वारा ऐसे अनेक ऐतिहासिक फैसले दिए गए हैं, जिन्होंने करोड़ों लोगों के जीवन को बेहतर बनाया है। उन्होंने आमजन से कोर्ट में वाद से पहले एक बार मध्यस्थता केंद्र या लोक अदालत जाने की अपील की। साथ ही, युवाओं से आह्वान किया कि अनुभवी लोगों से प्राप्त अनुभव को समाज एवं राष्ट्र हित में उपयोग करें।

न्यायपालिका लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ होने के साथ ही कानून और संविधान की रक्षक है, जो हर नागरिक को समान अधिकार देती है। चाहे मौलिक अधिकारों की रक्षा हो, पर्यावरण का संरक्षण हो, महिलाओं के अधिकार हो या भ्रष्टाचार पर प्रहार, न्यायपालिका हमेशा आगे रही है। न्यायाधीश केवल मुकदमे ही नहीं सुनते हैं बल्कि हर उस व्यक्ति की उम्मीद होते हैं, जिसे न्याय की जरूरत होती है।

उन्होंने कहा कि अनुभवी न्यायाधीशों की भूमिका आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उनका अनुभव, विद्वता और न्याय-दृष्टि देश की अमूल्य धरोहर है। जिनसे विधिक जागरूकता बढ़ाने और वैकल्पिक विवाद समाधान से मुकदमों का बोझ कम करने में सहायता मिलती है। मध्यस्थता, सुलह, लोक अदालत और बातचीत से विवादों को न सिर्फ कम समय में सुलझाया जा सकता है बल्कि अदालतों पर काम का बोझ भी कम किया जा सकता है।

हनीट्रैप में फंसाने वाली 2 महिलाओं समेत 6 गिरफ्तार

आपत्तिजनक स्थिति में वीडियो बनाकर रुपए वसूलते थे

कोटा

कोटा में हनीट्रैप के जरिए ब्लैकमेल कर लाखों रुपए वसूलने वाले गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। उद्योग नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो महिलाओं सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक स्विफ्ट कार और 49,500 रुपए नकद जब्त किए गए हैं। पुलिस एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया- 23 अप्रैल को एक युवक ने शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें बताया कि 14 अप्रैल को एक अज्ञात महिला ने फोन कर उसे कंसुआ रोड स्थित एक मकान पर बुलाया। पहले से मौजूद दो महिलाओं ने उसे झांसे में ले लिया। आपत्तिजनक स्थिति में ला दिया। इसी दौरान गिरोह के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे। वीडियो बना लिया। इसके बाद आरोपियों ने वीडियो वायरल करने और झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर युवक से अब तक करीब 90 हजार रुपये वसूल लिए। गिरोह के सदस्य लगातार पीड़ित के घर जाकर पैसों की मांग कर रहे थे।

एसपी गौतम ने बताया- मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम का गठन किया। मुखबिर की सूचना पर हा-27 के नीचे ढाडदेवी रोड पर नाकाबंदी कर संदिग्ध स्विफ्ट कार को रोका गया। कार सवार आरोपियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए सभी को दबोच लिया।

पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह सुनियोजित तरीके से काम करता था। महिला सदस्य फोन कर लोगों को अपने जाल में फंसाती थीं। सुनसान स्थान पर बुलाती थीं। आपत्तिजनक स्थिति बनाकर वीडियो बनाया जाता और फिर उसी के आधार पर ब्लैकमेल कर मोटी रकम वसूली जाती थी।

आज भारत एक आधुनिक, प्रगतिशील और तेजी से विकास कर रही अर्थव्यवस्था है

–होसबोले ने अमेरिका में आरएसएस को लेकर फैली गलतफहमियों का किया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दत्तात्रेय होसबोले ने अमेरिका में आरएसएस को लेकर फैली गलतफहमियों का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि भारत अब एक टेक हब बन चुका है। इसका परिणाम है कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। एक कार्यक्रम में होसबोले ने कहा कि अमेरिका और पश्चिमी देशों में भारत की एक पुरानी छवि बनी हुई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह धारणा पूरी तरह गलत है। आज भारत एक आधुनिक, प्रगतिशील और तेजी से विकास कर रही अर्थव्यवस्था है। होसबोले ने कहा कि आरएसएस का उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाना और राष्ट्र को एकजुट बनाए रखना है। संगठन की एक्टिविटी जमीनी स्तर पर समाज को मजबूत करने और लोगों को जोड़ने का काम कर रही हैं।

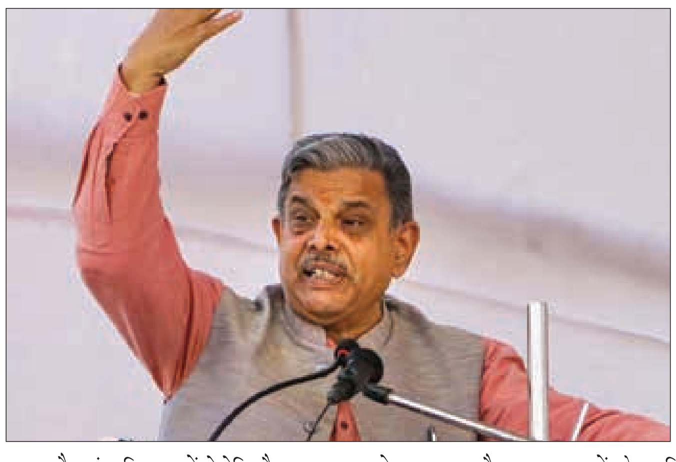

होसबोले ने कहा कि आरएसएस अमेरिका के श?वेत वर्चस्ववादी संगठन 'कु क्लक्स क्लान' का भारतीय संस्करण नहीं है। आरएसएस एक स्वैच्छिक जन आंदोलन है, जो भारत की प्राचीन सभ्यता और सांस्कृतिक मूल्यों से प्रेरित है। इसका मुख्य उद्देश्य अच्छा चरित्र, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी वाले स्वयंसेवक तैयार करना है। उन्होंने बताया कि आरएसएस देशभर में रोजाना और साप्ताहिक शाखाओं का आयोजन करता है। इन शाखाओं के जरिए स्वयंसेवकों में राष्ट्रहित, सामाजिक एकता और सेवा भावना विकसित की जाती है।

होसबोले ने कहा कि शाखाओं का उद्देश्य केवल वैचारिक प्रशिक्षण नहीं, बल्कि 'मानव सामाजिक पूंजी' का निर्माण करना है। आरएसएस सरकार्यवाह ने यह भी कहा कि संगठन हिंदू पहचान और भारतीय संस्कृति को मजबूत करने के साथ ही पूरे समाज के विकास पर काम करता है। उन्होंने अल्पसंख्यकों और हिंदू पहचान को लेकर पश्चिमी दुनिया में फैली भ्रांतियों को भी दूर करने की कोशिश की। यह कार्यक्रम वाल्टर रसेल मीड के साथ एक सत्र में हुआ, जिसमें होसबोले ने आरएसएस के जमीनी कार्यों और राष्ट्र निर्माण में उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने बताया कि आरएसएस के स्वयंसेवक आपदा के दौरान राहत और बचाव के कामों में आगे रहते हैं। बाढ़, भूकंप या अन्य संकट के समय संगठन के कार्यकर्ता बिना किसी भेदभाव के लोगों की मदद करते हैं। इसके अलावा स्वयंसेवकों ने देशभर में करीब 40 सिविल इंस्टीट्यूशन बनाए हैं, जो शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक डेवलपमेंट के लिए बेहतर काम कर रहे हैं।

उत्तराखंड में तेंदुओं का आतंक, खेत में काम कर रही महिला पर हमला गई जान

-घटना से गुस्साए लोगों ने मजिस्ट्रेट और डीएफओ का घेराव कर किया हंगामा

पौड़ी(एजेंसी)। उत्तराखंड में वन्यजीवों के हमलों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को नैनीताल के ज्योली गांव में महिला की मौत के दूसरे दिन पौड़ी में दो गुलदारों (तेंदुओं) ने हमला कर बुजुर्ग महिला को मौत के घाट उतार दिया। हमला सुबह करीब साढ़े 8 बजे उस समय हुआ जब वह खेत में घास काट रही थीं। घटना से गुस्साए लोगों ने मौके पर पहुंचे संयुक्त मजिस्ट्रेट और प्रभारी डीएफओ गढ़वाल का घेराव कर हंगामा कर दिया। बाद में वन विभाग ने गुलदार को आदमखोर घोषित करने के साथ ही मौके पर 20 सदस्यीय वन कर्मियों की टीम और मशहूर शिकारी को तैनात कर दिया है। प्रदेश में वन्यजीवों के हमले में इस साल अब तक यह 23वीं मौत है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटना ग्राम पंचायत बुढ़ाकोट स्थित बमठी गांव की है। 70 साल सीता देवी खंडूड़ी पर पहले गुलदार ने हमला किया। दराती से वार कर जैसे ही उन्होंने बचने का प्रयास किया, अचानक दूसरा गुलदार भी झपट पड़ा। शोर सुनकर ग्रामीण वहां पहुंचे, लेकिन तब तक गुलदार सीता देवी को झाड़ियों के अंदर ले गया। ग्रामीणों के काफी शोर मचाने पर दोनों गुलदार जंगल में भाग गए। ग्रामीणों ने मौके पर जाकर देखा तो तब तक महिला की मौत हो चुकी थी।

भीषण गर्मी के कारण 18 दिन में इस राज्य के लोग गटक गए अरबों रुपये की बीयर

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। इससे यहां पेय पदार्थों की बिक्री में इजाफा हुआ है। लेकिन, गर्मी भगाने को कर्नाटक के लोग जिस रफ्तार से बीयर पी रहे हैं, उस रफ्तार ने सभी को चौंका दिया है। इस रफ्तार की वजह से राज्य में बीयर की बिक्री के सारे पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त हो गए हैं। महज 18 दिनों के भीतर ही लोग अरबों रुपये की बीयर पी गए हैं। कर्नाटक में इस साल बीयर की मांग में 30 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जैसे-जैसे गर्मी ने अपना रंग दिखाना शुरू किया, बीयर की दुकानों पर कतारें लंबी हो रही है। दिलचस्प बात यह है कि यह क्रेज सिर्फ बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों तक सीमित नहीं है, राज्य के ग्रामीण इलाकों में भी बीयर की मांग में जबरदस्त इजाफा हुआ है। पिछले साल की तुलना में इस साल बीयर की बिक्री हैरान करने वाली है। इस साल अप्रैल के पहले 18 दिनों (1-18 अप्रैल) में 568.59 करोड़ की बीयर बिकी। जबकि पिछले साल इसी अवधि में 463.42 करोड़ की बियर बिकी। बीयर की बोतलों की गिनती के मुताबिक इस साल महज 18 दिनों में 28.35 लाख केस बीयर बेची जा चुकी है। पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा 21.77 लाख केस था। यानी इस साल लोगों ने पिछले साल के मुकाबले 6.58 लाख केस ज्यादा खाली कर दिए हैं। कर्नाटक सरकार और आबकारी विभाग की झोली में इस साल 105.17 करोड़ ज्यादा आए है।

महिला विरोधी बयान पर घिरे पप्पू यादव ने मांगी माफी

पटना (एजेंसी)। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने राजनीति में महिलाओं के मुद्दे पर दिए गए अपने हालिया विवादास्पद बयान के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा था, 90 प्रतिशत महिलाएं किसी नेता के कमरे में जाए बिना राजनीति नहीं कर सकतीं। पूर्णिया सांसद के बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। कांग्रेस समर्थित निर्दलीय सांसद के बयान की एनडीए नेताओं और बिहार राज्य महिला आयोग ने निंदा की है। इसके बाद बिहार राज्य के कई हिस्सों में सांसद यादव से माफी मांगने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन और रैलियां भी आयोजित की गईं। उन्होंने कहा कि अगर मेरे बयान से राजनीति में शामिल महिलाओं को ठेस पहुंची है, तब मैं उनसे माफी मांगता हूं। लेकिन यह माफी बहनों और बेटियों से है, न कि राजनेताओं से मांगी है। सांसद यादव ने कहा कि उनकी लड़ाई इसतरह के 'गंदे राजनेताओं' के खिलाफ है जिनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के दृश्य प्रमाण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि मैं राजनीति में शामिल महिलाओं पर गिद्धों की नजर नहीं पड़ने दूंगा। यादव ने विवाद के दौरान एनडीए नेताओं द्वारा उनकी पत्नी और बेटी का जिक्र करने पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मैंने किसी की मां या बेटी को गाली नहीं दी, फिर भी मेरी पत्नी और बेटी के बारे में उन लोगों ने टिप्पणियां कीं जिन्हें मैं अपनी बेटियों की तरह मानता हूं और जिनके पिता साथी सांसद हैं।

ईरानी सेना के कब्जे में भारतीय जहाज, श्रीगंगानगर के युवक का 20 दिन से पता नहीं

श्रीगंगानगर (एजेंसी)। राजस्थान के श्रीगंगानगर की पॉश कॉलोनी में इन दिनों सन्नाटा पसरा हुआ है। दरअसल, कॉलोनी निवासी मर्चेंट नेवी के सेकंड ऑफिसर संजय माहर (38) उस कंटेनर शिप पर सवार हैं, जिसे लेकर सूचना मिल रही है कि ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने होर्मुज स्ट्रेट में रोककर अपने कब्जे में ले लिया है। संजय के भाई सुभाष माहर ने बताया कि लाइबेरिया के झंडे वाला यह जहाज, जिसका नाम 'एपामिनोडेस' है, दुबई से रवाना होकर मुंद्रा पोर्ट की ओर आ रहा था। लेकिन होर्मुज स्ट्रेट में प्रवेश की अनुमति नहीं मिलने के कारण जहाज को रोकना पड़ा। तभी ईरानी सेना ने जहाज की घेराबंदी कर ली। परिजनों के अनुसार, करीब 30 घंटे पहले जब जहाज ने आगे बढ़ने का प्रयास किया, तब ईरान की ओर से फायरिंग की गई। गोलियों की आवाज सुनते ही संजय सहित सभी क्रू मेंबर्स जहाज के भीतर सुरक्षित केबिनों में छिप गए। संजय ने संपर्क टूटने से पहले एक वीडियो भी भेजा था, जिसमें जहाज के अंदर का तनावपूर्ण माहौल साफ दिख रहा है। जहाज पर कुल 21 क्रू मेंबर सवार हैं, जिसमें भारत के अलावा फिलीपींस, यूक्रेन और श्रीलंका के नागरिक शामिल हैं। फिलहाल इलाके में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं, जिससे संजय का अपने परिवार से संपर्क पूरी तरह कट गया है। संजय शादीशुदा हैं और उनके छोटे बच्चे हैं, जो अपने पिता की सलामती की दुआ कर रहे हैं। इस संकट पर स्थानीय विधायक जयदीप बिहाणी ने मामले की गंभीरता को देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा है। विधायक ने भारत सरकार से अपील की है कि ईरान सरकार के साथ कूटनीतिक संवाद स्थापित कर सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जाए।

आर्थिक संकट से जूझ रहे मालदीव के लिए भारत ने की मदद, 30 अरब की पहली किश्त जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संकट की घड़ी में भारत ने एक बार फिर पड़ोसी प्रथम की नीति को दोहराते हुए मालदीव को बड़ी वित्तीय सहायता प्रदान की है। गंभीर आर्थिक तंगी और विदेशी मुद्रा भंडार की कमी का सामना कर रहे मालदीव को राहत देने के लिए भारत सरकार ने 30 अरब रुपये की पहली किश्त जारी करने को मंजूरी दे दी है। यह महत्वपूर्ण वित्तीय मदद भारतीय रिजर्व बैंक और मालदीव सरकार के बीच हुए सार्क करेंसी स्वैप फ्रेमवर्क के तहत दी जा रही है। माले स्थित भारतीय उच्चायोग ने इस कदम की पुष्टि करते हुए कहा है कि यह सहायता मालदीव की वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने और वहां की अर्थव्यवस्था को तत्काल सहारा देने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस सहायता की पृष्ठभूमि अक्टूबर 2024 में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की भारत यात्रा के दौरान तैयार हुई थी। उसी दौरे पर दोनों देशों के बीच करेंसी स्वैप समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। मालदीव पहले भी इसी फ्रेमवर्क के तहत लगभग 400 मिलियन डॉलर की राशि का उपयोग अपनी जरूरतों के लिए कर चुका है। वर्तमान में मालदीव की अर्थव्यवस्था कई मोर्चों पर चुनौतियों से घिरी हुई है। विदेशी मुद्रा भंडार के तेजी से घटने और बढ़ते अंतरराष्ट्रीय कर्ज के बोझ के कारण देश के सामने भुगतान संतुलन का संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में भारत द्वारा दी गई यह किश्त न केवल तात्कालिक राहत प्रदान करेगी, बल्कि मुइज्जु सरकार को अपनी भविष्य की आर्थिक योजनाओं को व्यवस्थित करने का समय भी देगी। भारत लंबे समय से मालदीव के लिए एक भरोसेमंद और फर्स्ट रिस्पॉन्डर साझेदार रहा है। साल 2012 में सार्क करेंसी स्वैप फ्रेमवर्क की शुरुआत के बाद से भारत अब तक मालदीव को 1.1 अरब डॉलर से अधिक की वित्तीय सहायता मुहैया करा चुका है। इससे पहले भारत ने मालदीव के अनुरोध पर 100 मिलियन डॉलर के ट्रेजरी बिल्स को भी रोलओवर किया था, जिससे वहां की सरकार पर से तत्काल वित्तीय दबाव कम हुआ था।

बंपर वोटिंग पर केजरीवाल का तंज, मोदी जी की एसआईआर प्रक्रिया उन्हीं के खिलाफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के खिलाफ राजनीतिक प्रतिक्रिया पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य में रिकॉर्ड मतदान के बाद मोदी जी की एसआईआर प्रक्रिया उन्हीं के खिलाफ जा रही है। केजरीवाल ने पोस्ट कर लिखा कि बंगाल में यह बात सामने आ रही है कि लोग एसआईआर के खिलाफ मजबूती से वोट डाल रहे हैं।

उनकी यह टिप्पणी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा यह घोषणा करने के कुछ ही समय बाद आई कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में स्वतंत्रता के बाद से अब तक का सबसे अधिक मतदान हुआ है, क्योंकि मतदान शाम 6 बजे समाप्त हुआ। मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से बंगाल और तमिलनाडु में अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत रहा है। चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के प्रत्येक मतदाता को सलाम करता है।

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बंगाल में प्रथम चरण में तमिलनाडु के 84.80 प्रतिशत की तुलना में 91.91 प्रतिशत का उल्लेखनीय रूप से उच्च मतदान दर्ज किया गया। उच्च मतदान सभी निर्वाचन क्षेत्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी को दिखाता है। पश्चिम बंगाल के कई जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ, जिसमें दक्षिण दिनाजपुर में सबसे अधिक 94.85 प्रतिशत, उसके बाद कूच बिहार में 94.54 प्रतिशत, बीरभूम में 93.70 प्रतिशत, जलपाईगुड़ी में 93.23 प्रतिशत और मुर्शिदाबाद में 92.93 प्रतिशत मतदान हुआ। सभी प्रमुख क्षेत्रों में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ।

ताजी हवा का आनंद लेने नहीं... शीर्ष नेताओं से मुलाकात करने दिल्ली आया : शिवकुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने अपने हालिया नई दिल्ली दौरे को लेकर स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य केवल ÷ताजी हवा का आनंद लेना÷ नहीं, बल्कि शीर्ष कांग्रेस नेताओं से मुलाकात करना था। राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर चल रहे असंतोष के बीच उनकी यात्रा राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हालांकि, उन्होंने यह बताने से इंकार किया कि उन्होंने दिल्ली में कांग्रेस के किन-किन नेताओं से मुलाकात की। डिप्टी सीएम डीके ने कहा कि वह पार्टी के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं और विभिन्न राज्यों में चुनाव प्रचार के बाद वहां के हालात की जानकारी पार्टी नेतृत्व को देना उनका कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि उन्होंने तमिलनाडु, केरल और असम में चुनाव प्रचार किया था और अब उन अनुभवों को शीर्ष नेताओं से साझा करना जरूरी है। साथ ही, कर्नाटक में चुनाव प्रबंधन उनकी जिम्मेदारी का हिस्सा है, जिसे वे पूरी गंभीरता से निभाएंगे। कर्नाटक राज्य में संभावित राजनीतिक बदलावों और मंत्रिमंडल फेरबदल से जुड़े सवालों पर उन्होंने कोई टिप्पणी करने से इंकार किया। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारी वाले पद पर रहते हुए इस तरह के मुद्दों पर सार्वजनिक चर्चा करना उचित नहीं है। मुस्लिम समुदाय में कथित असंतोष और उससे जुड़ी बैठकों पर उन्होंने कहा कि पार्टी स्तर पर कुछ जानकारी मिली है और सभी को मिलकर काम करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री के करीबी मंत्रियों की बैठकों की खबरों से उन्होंने अनभिज्ञता जताकर कहा कि उन्हें नहीं पता कि कौन किसके करीब है। वहीं, दिल्ली की संभावित आगे की यात्राओं पर उन्होंने ÷इंतजार और देखिए÷ का रुख अपनाया। दिल्ली दौरे के दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों से बेंगलुरु से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की योजना की बनाई है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उन्हें मुलाकात के लिए समय दिया है। मुस्लिम नेताओं के निलंबन के मुद्दे पर उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी को निलंबित नहीं किया गया, बल्कि संबंधित नेताओं ने स्वयं इस्तीफा दिया है।

यूपी में अगले तीन दिन और भीषण पड़ेगी गर्मी, 32 जिलों को मौसम विभाग ने घोषित किया रेड अलर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। सूबे में तापमान लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। राजधानी लखनऊ से लेकर बुंदेलखंड और पूर्वांचल तक आसमान से आग बरस रही है। स्थिति यह है कि दिन के साथ रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिल रही। दिन के समय तो सड़कों पर सन्नाटा छाया रहता है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में हालात और गंभीर होने की चेतावनी दी है, हालांकि 26 अप्रैल के बाद कुछ राहत के संकेत भी दिए गए हैं। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को इस सीजन का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 4 डिग्री अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 25.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जिससे रात में भी गर्मी का असर बना रहा। उधर, पूरे उत्तर प्रदेश में गर्मी का प्रकोप चरम पर है।

चुनाव आयोग पर भड़का हाईकोर्ट कहा- पश्चिम बंगाल में आप सत्ता का दुरुपयोग कर रहे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ता को लेकर राजनैतिक दलों में भारी घमासान मचा हुआ है। इसी घमासान के बीच गुरुवार को पहले चरण का मतदान रिकॉर्ड वोटिंग के साथ संपन्न हुआ। तभी चुनाव आयोग की चिंता बढ़ाने वाली कलकत्ता हाईकोर्ट की एक टिप्पणी आ गई। हाईकोर्ट ने वोटिंग के दिन मोटरसाइकिलों पर लगाई गई पाबंदियों को लेकर कड़ी टिप्पणी की है। जस्टिस कृष्णा राव ने आयोग से कहा, आप अपनी सत्ता का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। इस तरह से नागरिकों को परेशान किया जा रहा है। ये हाईकोर्ट की काफी गंभीर टिप्पणी मानी जा रही है।

जस्टिस राव ने आयोग से आगे कहा, आम नागरिकों के अधिकारों को इस तरह से कम नहीं किया जा सकता है। अगर यही तर्क है तो आपको कारों पर भी रोक लगा देनी चाहिए। आखिर लोग कारों का इस्तेमाल बम और बंदूकें ले जाने और दंगा भड़काने के लिए भी तो कर सकते हैं! उन्होंने आगे कहा, कोर्ट को दिखाएं कि पिछले पांच सालों में ऐसी कितनी घटनाएं हुई हैं जिनमें मोटरसाइकिल पर सवार गुटों ने हिंसा भड़काई हो? यह एक बहुत बड़ा कदम है। असल में चुनाव से दो दिन पहले ही सब कुछ ठप कर देता है। मैं फिर दोहराता हूं कि यह सब सिर्फ अधिकारियों की नाकामियों को छिपाने के लिए किया जा रहा है। जज की इन टिप्पणियों के बाद चुनाव आयोग कोर्ट में एक हलफनामा पेश करेगा। इस हलफनामे में आयोग चुनाव से दो दिन पहले ये पाबंदियां लगाने के पीछे का कारण बताएगा। आयोग कोर्ट को उन पिछली घटनाओं के बारे में भी बता सकता है जिनमें मोटरसाइकिलों का गलत इस्तेमाल हुआ था।

चुनाव आयोग ने यह भी साफ किया कि ये पाबंदियां इमरजेंसी मेडिकल जरूरतें, परिवार से जुड़े मामले या बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने के मामलों में लागू नहीं होंगी। जो लोग सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए मोटरसाइकिल से जा रहे हैं तो उन्हें भी छूट दी गई है। ये नियम रेपिडो जैसी ऐप-आधारित सेवाओं पर लागू नहीं होंगे। इसके पहले आयोग ने एक नोटिफिकेशन जारी किया था, जिसमें कहा गया कि चुनाव से दो दिन पहले से कोई भी मोटरसाइकिल रैली निकालने की इजाजत नहीं होगी। नोटिफिकेशन में साफ किया गया कि चुनाव से पहले के दो दिनों में सुबह 6ः00 बजे से शाम 6ः00 बजे तक मोटरसाइकिल चलाई जा सकती है; लेकिन इस दौरान पीछे किसी सवारी को बिठाना पूरी तरह से मना होगा। चुनाव वाले दिन भी सुबह 6ः00 बजे से शाम 6ः00 बजे तक मोटरसाइकिल चलाई जा सकती है, लेकिन यह छूट तभी मिलेगी जब चालक वोट डालने या किसी इमरजेंसी काम से जा रहा हो।

जयपुर विधानसभा सचिवालय को मिली बम से उड़ाने की धमकी, परिसर कराया खाली

–शहर में आईपीएल मैच को लेकर चल रही थी मार्कड्रिल, सुरक्षा एजेंसियों में हलचल

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में उस समय हड़कंप मच गया जब विधानसभा सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी ऐसे समय पर मिली है जब शहर में आईपीएल मैच को लेकर पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था कड़ी है। जानकारी के मुताबिक विधानसभा सचिवालय को संदिग्ध मैसेज के जरिए बम धमाके की सूचना मिली थी, जैसे ही यह सूचना अधिकारियों तक पहुंची, तुरंत सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया। सचिवालय परिसर में मौजूद कर्मचारियों को तुरंत बाहर निकाला गया और पूरे इलाके को खाली करा दिया गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सूचना मिलते ही एटीएस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचे। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे विधानसभा परिसर को अपने घेरे में लेकर सघन तलाशी अभियान शुरू किया। हर आने-जाने वाले और संदिग्ध वस्तु की बारीकी से जांच की गई। बताया जा रहा है कि उसी समय सवाई मानसिंह स्टेडियम में आईपीएल मैच से पहले सुरक्षा को लेकर मॉक ड्रिल चल रही थी। इसी दौरान अचानक बम की सूचना मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हलचल बढ़ गई और मॉक ड्रिल को बीच में ही रोककर वास्तविक अलर्ट मोड में काम शुरू कर दिया गया।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक धमकी को गंभीरता से लेते हुए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। शहर के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है, खासकर उन स्थानों पर जहां आईपीएल मैच को लेकर भीड़ जुटने की संभावना है। फिलहाल विधानसभा परिसर में तलाशी अभियान जारी है और अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु बरामद होने की सूचना नहीं है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि धमकी भरा संदेश कहां से भेजा गया और इसके पीछे किसका हाथ हो सकता है।

अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की धमकियों को हल्के में नहीं लिया जा सकता, इसलिए पूरी सतर्कता के साथ जांच की जा रही है, साथ ही आम जनता से अपील की गई है कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। इस घटना के बाद जयपुर में सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

केरल में गर्मी के चलते सीएम ने किया सेल्फ-लॉकडाउन का ऐलान

–सुबह 11 से 3 बजे के बीच बाहर न निकलें, भरपूर मात्रा में साफ पानी पिएं

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के कई इलामों में लू की चेतावनी के मद्देनजर सीएम पिनाराई विजयन ने सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच सेल्फ-लॉकडाउन यानी खुद के द्वारा लगाया गया लॉकडाउन का आह्वान किया है। आईएमडी ने आधिकारिक तौर पर पालक्काड, कोल्लम और त्रिशूर जिलों में लू की चेतावनी जारी की है, क्योंकि राज्य में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है। वातावरण में उच्च आर्द्रता के कारण अन्य जिलों में भी गर्मी का प्रकोप बहुत ज्यादा है। ऐसी स्थिति में हम सभी को अत्यंत सतर्क रहने की जरुरी है। बढ़ती गर्मी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं और यहां तक कि मृत्यु का कारण भी बन सकती है। इसलिए, सभी को निम्नलिखित सुरक्षा निर्देशों का कड़ाई से पालन करना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच बाहर न निकलें। इस समय के दौरान सीधे धूप के संपर्क में आने से बचें। इसे कोविड काल की तरह ही सेल्फ-लॉकडाउन का समय मानें और अनावश्यक यात्रा और बाहरी कामों से बचें। घर के अंदर और कार्यस्थल पर हवा के उचित वेंटिलेशन को सुनिश्चित करें। प्यास न लगने पर भी भरपूर मात्रा में साफ पानी पिएं। ऐसे पेय पदार्थों से बचें जिनसे शरीर में पानी की कमी होती हो। पौष्टिक भोजन करना सुनिश्चित करें।

गर्मी के बचने के लिए हल्के रंग के ढीले-ढाले सूती कपड़े पहनें। बाहर निकलते समय छाता, जूते-चप्पल और धूप का चश्मा जरुर पहनें। बुजुर्ग, बच्चे, गर्भवती महिलाएं, स्तनपान कराने वाली माताएं, हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर, त्वचा रोग जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोग और एल्बिनिज्म से पीड़ित लोगों को इस समय बाहर निकलने से बचना चाहिए। सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच खुले स्थानों पर सार्वजनिक सभाओं और खेल आयोजनों की अनुमति नहीं है। त्योहारों में दिन के समय होने वाली परेड, हाथियों की परेड और आतिशबाजी से बचना चाहिए या उनका समय बदलना चाहिए। आग लगने की आशंका के प्रति विशेष सावधानी बरती जानी चाहिए।

पालतू जानवरों और आवारा पशुओं के लिए पीने के पानी और छाया की व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्हें दिन के समय चरने के लिए बाहर न जाने दें। चूंकि अत्यधिक गर्मी में जानवर बेचैन हो सकते हैं, इसलिए जंगली जानवरों और आवारा कुत्तों के हमले की आशंका के प्रति भी सावधानी बरती जानी चाहिए। श्रम विभाग ने दिन के समय बाहरी कामों से बचने के लिए काम के घंटों को पुनर्व्यवस्थित किया है। इसका कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। दिन के समय होने वाले रोजगार सुरक्षा संबंधी कार्यों को पूरी तरह से रोक दिया गया है।

ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के लिए पीने के पानी और छाया की व्यवस्था सुनिश्चित करने और उनकी वर्दी में ढील देने के निर्देश जारी किए गए हैं। लू से निपटने के लिए अस्पतालों और एम्बुलेंस में, जिनमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी शामिल हैं, प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की गई है। स्थानीय निकायों, कुटुम्बश्री, स्वयंसेवी संगठनों और व्यापारियों को यात्रियों और आम जनता के लिए पीने का पानी और छाया उपलब्ध कराने के लिए आगे आना चाहिए। यदि आपको थकान महसूस हो या लू के लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत चिकित्सकीय सहायता लें। यदि आप किसी अन्य व्यक्ति को परेशानी में देखें, तो उसे तुरंत छाया में ले जाएं, उसके शरीर को ठंडा करने का प्रयास करें और चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराएं।

ढिकोला: विद्यालय बना तालाब, 1000 छात्रों का भविष्य 'पानी' में

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। उप तहसील ढिकोला के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पिछले तीन वर्षों से व्याप्त जलभराव की गंभीर समस्या को लेकर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के युवा नेता और प्रदेश सचिव मनीष नायक ने प्रशासन और शिक्षा विभाग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस समस्या का स्थाई समाधान नहीं हुआ, तो विद्यार्थियों का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा।

6 महीने तक 'शिक्षा के मंदिर' में भरा रहता है पानी

मनीष नायक ने बताया कि ढिकोला का यह प्रमुख सरकारी विद्यालय पिछले तीन वर्षों से जलभराव की समस्या से जूझ रहा है। आलम यह है कि साल के 6 महीने विद्यालय परिसर एक तालाब में तब्दील रहता है।

मुख्य समस्या: परिसर में घुटनों तक पानी भरे रहने के कारण बच्चों को कक्षाओं तक पहुँचने में भारी कठिनाई होती है। इससे न केवल उनकी पढ़ाई बाधित हो रही है, बल्कि गंदगी और ठहरे हुए पानी से बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है।

'सिर्फ आश्वासन मिल रहा, समाधान नहीं '

कांग्रेस सचिव मनीष नायक ने कड़े शब्दों में कहा कि ग्रामीण और विद्यालय प्रशासन पिछले तीन साल से लगातार अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उन्हें सिर्फ कोरा आश्वासन ही मिल रहा है। उन्होंने सवाल उठाया, 'विद्यालय शिक्षा का पहला मंदिर है, अगर वही सुरक्षित और स्वच्छ नहीं होगा तो हमारे बच्चों का भविष्य कैसे सुरक्षित माना जाए? '

शिक्षा मंत्री से हस्तक्षेप की मांग

नायक ने प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर और उच्चाधिकारियों से इस मामले में तुरंत संज्ञान लेने की मांग की है। उनकी प्रमुख मांगें निम्नलिखित हैं: विद्यालय परिसर से जल निकासी की स्थाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। परिसर में जलभराव रोकने के लिए उचित ड्रेनेज सिस्टम या इंजीनियरिंग समाधान निकाला जाए। लंबे समय से लंबित इस समस्या के प्रति लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय हो। राज्य में हाल ही में सरकार ने खराब स्थिति वाले स्कूल भवनों की मरम्मत के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, ऐसे में ढिकोला के ग्रामीणों को उम्मीद है कि अब उनकी सुनवाई होगी।

124 दिन का धरना खत्म: विधायक गुर्जर की समझाइश से बनी सहमति-अस्पताल का किया औचक निरीक्षण भी

स्मार्ट हलचल

देवली/टोंक। जिले के देवली उपखंड मुख्यालय पर पिछले 124 दिनों से चल रहा धरना आखिरकार शनिवार को समाप्त हो गया। देवली-उनियारा विधायक राजेन्द्र गुर्जर की समझाइश और आश्वासन के बाद धरनारत विस्थापितों ने आंदोलन खत्म करने का निर्णय लिया।

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं जूनिया ग्राम सेवा सहकारी समिति लिमिटेड के अध्यक्ष सत्यनारायण चौधरी सरोली ने बताया कि विधायक राजेन्द्र गुर्जर 27 अप्रैल को टोंक में प्रस्तावित कार्यक्रम-जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के टोंक आगमन की तैयारियों के सिलसिले में शनिवार को देवली पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने धरना स्थल पर पहुंचकर विस्थापितों की समस्याएं सुनीं और समाधान का भरोसा दिलाया, जिसके बाद समिति पदाधिकारियों ने धरना समाप्त करने की घोषणा की। इस मौके पर विधायक गुर्जर ने देवली उप जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण भी किया। उन्होंने अस्पताल परिसर की स्वच्छता, ओपीडी, आपातकालीन कक्ष, लेबर रूम और दवा वितरण केंद्र का जायजा लिया। मरीजों से संवाद कर उपचार और सुविधाओं की जानकारी ली तथा चिकित्सकों और अस्पताल प्रबंधन से दवाओं की उपलब्धता, मानव संसाधन और उपकरणों की स्थिति पर चर्चा की। विधायक ने निर्देश दिए कि मरीजों को समय पर बेहतर उपचार, आवश्यक दवाएं और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही अस्पताल आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के साथ संवेदनशील और सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार सुनिश्चित करने पर जोर दिया।देवली पंचायत समिति के निवर्तमान प्रधान बनवारी लाल जाट ने बताया कि 27 अप्रैल को विधायक राजेन्द्र गुर्जर के नेतृत्व में हजारों कार्यकर्ता टोंक में आयोजित जनसभा में भाग लेंगे, जिसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस अवसर पर सत्यनारायण चौधरी सरोली, नगर पालिका चेयरमैन नेमीचंद जैन, देवली देहात अध्यक्ष विनोद माहुर, पार्षद सत्यनारायण सरसडी, अंकित जैन, गोपाल शर्मा, अशोक दुबे सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गुलाबपुरा पुलिस का ड्रग माफियाओं पर बड़ा प्रहार तस्कर लाभचंद की 50 लाख रुपये की संपत्ति फ्रीज

काली कमाई से खरीदी थी जमीन और ट्रैक्टर, एनडीपीएस एक्ट के तहत हुई बड़ी कार्रवाई

स्मार्ट हलचल|गुलाबपुरा

अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और उससे अर्जित काली कमाई पर अंकुश लगाने के लिए भीलवाड़ा पुलिस ने सख्त रुख अपना लिया है। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार गुलाबपुरा थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ तस्कर की करीब 50 लाख रुपये की चल-अचल संपत्ति को फ्रीज (कुर्क) कर दिया है।

गुलाबपुरा वृत्ताधिकारी जितेन्द्र सिंह के सुपरविजन और थानाधिकारी संजय गुर्जर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तस्करों की वित्तीय जांच शुरू की थी। इस दौरान चित्तौड़गढ़ जिले के बेंगू थाना क्षेत्र स्थित उमर गांव निवासी कुख्यात तस्कर लाभचन्द उर्फ लाभू (39) पुत्र कन्हैया लाल धाकड़ की अवैध संपत्तियों को चिह्नित किया गया।

दर्ज हैं बड़े मामले:

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी लाभचंद लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त है। उसके खिलाफ पुलिस थाना आसीन्द में वाणिज्यिक मात्रा (22 क्विंटल 22 किलोग्राम अफीम डोडा चूरा) और थाना रायसर (जिला गंगानगर) में 22 किलो 540 ग्राम अफीम तस्करी के बड़े प्रकरण दर्ज हैं।

50 लाख की जमीन व ट्रैक्टर किया फ्रीज:

थानाधिकारी संजय गुर्जर ने बताया कि आरोपी ने नशे के इस काले व्यापार से अर्जित रुपयों से अपने पैतृक गांव उमर (चित्तौड़गढ़) में कीमती जमीन खरीदी थी और एक ट्रैक्टर भी लिया था। इन संपत्तियों का बाजार मूल्य करीब 50 लाख रुपये आंका गया है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 68 (स्र) के तहत इस अवैध संपत्ति को फ्रीज करने की कार्रवाई की है। संपत्ति फ्रीज करने के सभी दस्तावेज 'सक्षम प्राधिकारी एवं प्रशासक सफेमा नई दिल्ली' को भिजवा दिए गए हैं और आरोपी को नोटिस जारी कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि आगे भी अवैध मादक पदार्थ के प्रकरणों में लिप्त अपराधियों की संपत्ति जब्ती की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

ऐसी संपत्ति जो अवैध मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित की गई हो और जिसे छुपाए जाने, स्थानांतरित किए जाने या बेच दिए जाने की संभावना हो, उसे इस धारा के अंतर्गत जब्त/फ्रीज किया जाता है। पैतृक संपत्ति के अलावा, नशे की काली कमाई से बनाई गई कोई भी संपत्ति पुलिस द्वारा इस कानून के तहत कुर्क की जा सकती है।

बिगोद पुलिस का 24 घंटे में दूसरा बड़ा प्रहार: फिल्मी स्टाइल में पीछा कर 2 तस्कर दबोचे, 45 किलो डोडा चूरा जब्त

नाकाबंदी तोड़कर भागे थे तस्कर, खेतों में दौड़ लगाकर पुलिस ने पकड़ा; 6.75 लाख रुपये है मादक पदार्थ की कीमत

स्मार्ट हलचल|बिगोद (भीलवाड़ा)

जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बिगोद थाना पुलिस एक्शन मोड में है। पुलिस ने पिछले 24 घंटे के भीतर तस्करी के खिलाफ दूसरी बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए शनिवार (25 अप्रैल) को 45 किलो 50 ग्राम अवैध डोडा चूरा सहित दो शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया है। तस्कर पुलिस की नाकाबंदी तोड़कर भागे थे, जिनका पुलिस ने फिल्मी स्टाइल में पीछा कर खेतों से दबोच लिया। जब्त मादक पदार्थ की बाजार कीमत करीब 6.75 लाख रुपये बताई जा रही है। तस्करी में प्रयुक्त एक स्विफ्ट कार भी जब्त की गई है।

नाकाबंदी तोड़कर रिको एरिया की तरफ भगाई कार:

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एएसपी (मुख्यालय) पारस जैन व माण्डलगढ़ सीओ बाबुलाल विश्नोई के सुपरविजन में शनिवार

को बिगोद थाने के सामने पुलिस नाकाबंदी कर रही थी। इसी दौरान माण्डलगढ़ की तरफ से एक सफेद रंग की मारुति स्विफ्ट कार तेज गति से आई। पुलिस ने उसे रुकवाने का इशारा किया, लेकिन चालक ने कार धीमी करने के बाद अचानक उसे तेजी से रिको एरिया (बिगोद) की तरफ भगा लिया।

खेतों और बनास नदी की तरफ भागे तस्कर, पुलिस ने दौड़ कर पकड़ा:

पुलिस टीम ने तुरंत संदिग्ध कार का पीछा किया। खुद को घिरता देख तस्करों ने रिको एरिया में एक फैक्ट्री के पास कार खड़ी कर दी और पास ही स्थित बनास नदी व खेतों की तरफ पैदल ही भागने लगे। लेकिन मुस्तैद पुलिस जाब्ते ने खेतों में पीछा कर दोनों तस्करों को धर दबोचा। कार की तलाशी लेने पर उसमें 45.050 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा भरा हुआ मिला।

ये दो तस्कर चढ़े हत्थे, एनडीपीएस में मामला दर्ज

पुलिस ने अवैध डोडा चूरा और कार को जब्त कर दोनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान:

दोलाराम विश्नोई (23) पुत्र शिवलाल, निवासी धबा मेलवा (थाना झवर, जिला जोधपुर)

महेन्द्र विश्नोई (29) पुत्र जावताराम, निवासी गोरो की ढाणी, डोलीकंला (थाना कल्याणपुरा, जिला बालोतरा) के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

इस साहसिक कार्रवाई में बिगोद थाने के हैड कांस्टेबल गजराज सिंह, कांस्टेबल दिनेश (विशेष योगदान), सचिन कुमार (विशेष योगदान), भुपेन्द्र सिंह और कैलाश शामिल रहे। गौरतलब है कि एक दिन पहले (24 अप्रैल) भी बिगोद पुलिस और डीएसटी ने 41 किलो डोडा चूरा से भरी एक लावारिस कार जब्त की थी।

देवनारायण मंदिर में विष्णु महायज्ञ की पूर्णाहुति, कलश स्थापना से गूंजा क्षेत्र भक्तिरस में

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जिले के आसींद क्षेत्र के रघुनाथपुरा (धावजी का खेड़ा) स्थित प्राचीन धोली मंगरी देवनारायण मंदिर में सात दिवसीय पंच कुंडात्मक विष्णु महायज्ञ शुक्रवार को भव्य और दिव्य पूर्णाहुति के साथ सम्पन्न हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच मंदिर शिखर पर विधि-विधान से कलश स्थापना की गई, वहीं शिव परिवार और हनुमानजी की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा भी श्रद्धापूर्वक कराई गई।

महायज्ञ का आयोजन सवाईभोज मंदिर के महंत सुरेशदास महाराज के सानिध्य में तथा यज्ञाचार्य गोपाल शास्त्री के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।

अभिजीत मुहूर्त में हुई पूर्णाहुति ने श्रद्धालुओं को गहन आध्यात्मिक अनुभूति से सराबोर कर दिया।

आयोजन में विभिन्न स्थानों से पधारे संत-महात्माओं की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की भव्यता बढ़ाई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आस्था के साथ भाग लेकर यज्ञ में आहुतियां दीं और धर्मलाभ अर्जित किया। इस अवसर पर कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर, पूर्व विधायक हगामीलाल मेवाड़ा सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में भक्ति, आस्था और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से क्षेत्र पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में डूबा नजर आया।

27 को मनाया जाएगा 'गो सम्मान दिवस', शामिल होने की अपील

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। गोमाता को राष्ट्र माता, राष्ट्र आराध्या अथवा राष्ट्र धरोहर का दर्जा दिलाने सहित गो संरक्षण को लेकर 27 अप्रैल को गो सम्मान दिवस मनाया जाएगा। इस उपलक्ष्य में लाडपुरा की श्री सांवरिया गौशाला में गौ माता के लिए एक विशाल गौ सेवा कार्यक्रम का आयोजन और सेवाभाव के साथ मनाया जाएगा। गो सेवक ने बताया कि 27 अप्रैल को प्रातः 10 बजे सांवरिया गौशाला से संत-महात्माओं और गो सेवकों के सानिध्य में भजन-कीर्तन के साथ रैली निकाली जाएगी, जो मांडलगढ़ उपखंड मुख्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

सौंपा जाएगा। आयोजक 'समस्त ग्रामवासी लाडपुरा ग्राम पंचायत' ने क्षेत्र के सभी गौ भक्तों, धर्मप्रेमियों से विनम्र अपील की है कि वे सोमवार सुबह 10 बजे श्री सांवरिया गौशाला में आयोजित।

पीपलूंद बालिका विद्यालय के एलडीसी ने 8 वर्षीय मासूम बालिका को बेरहमी से पीटा, मामला दर्ज करवाया

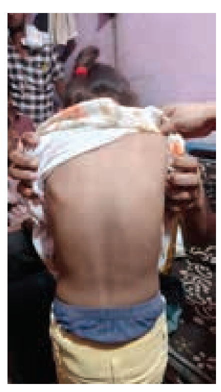

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। पीपलूंद। भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर उपखंड क्षेत्र के पीपलूंद कस्बे में स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के एलडीसी (कनिष्ठ सहायक) पद पर कार्यरत त्रिलोक चन्द घोषी ने लकड़ी व हाथों से 8 वर्षीय मासूम बालिका अविका मंत्री कक्षा 4 में पढ़ने वाली छात्रा को बेरहमी से पिटा। बालिका रोती हुई घर पहुंची। और परिजनों को आपबीती बताई। बालिका की पीठ पर चोट के निशान देखकर। बालिका की मां किरण मंत्री ने एलडीसी के खिलाफ शुक्रवार शाम को जहाजपुर थाने में इस मामले की रिपोर्ट दर्ज करवाई। बालिका अविका मंत्री ने बताया कि मैं क्लास में (ड्राइंग) चित्र बना रही थी। इसी बात को लेकर मेरे को लकड़ी और हाथों से पीटा और मेरे को 1 घंटे तक खड़ा रखा। बालिका की मां किरण मंत्री ने बताया कि शाम को स्कूल की छुट्टी होने के बाद बालिका रोती हुई घर पहुंची उसका रो-रो कर बुरा हाल था। बालिका ने मुझे आप बीती बताई और मैंने बच्ची की पीठ को देखा तो उसकी पीठ पर लकड़ी डंडों और हाथों से पिटाई के निशान छपे हुए थे। मैंने इस मामले की जहाजपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

जहाजपुर थाना पुलिस उप निरीक्षक शंकर सिंह, हेड कांस्टेबल कमलेश सैनी कांस्टेबल रामचंद्र टीम सहित पीपलूंद बालिका विद्यालय में इस मामले की जांच करने पहुंचे।

ग्रामीणों ने बालिका के साथ हुई मारपीट के मामले की शिकायत को लेकर राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य रघुनाथ सिंह मीणा के पास पहुंचे। और बालिका के साथ हुई मारपीट के बारे में अवगत करवाया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य रघुनाथ सिंह मीणा ने तुरंत प्रभाव से कार्यवाही करते हुए ग्रामीणों की शिकायत के आधार पर एलडीसी (कनिष्ठ सहायक) त्रिलोकचंद घोषी को बालिका से मारपीट एवं विद्यालय में अशोभनीय व्यवहार होने से मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के लिए कार्य मुक्त किया गया।

इस दौरान उपसरपंच सावन टांक, भामाशाह रतन पुरी, जगदीश मंत्री, कैलाश शर्मा, गोविंद गौड़, ज्ञानचंद सेन,सोनू पंचोली, दीपक खटीक, रिंकू मंत्री, राजेश खटीक, महावीर गुर्जर, दुर्गा लाल खटीक, अजीज मोहम्मद, सहित इत्यादि ग्रामीण मोजूद रहे।

भीषण गर्मी का असर: स्कूल समय बदलने की मांग तेज, सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

जिले में पड़ रही भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच स्कूली बच्चों की सेहत को लेकर चिंता गहराने लगी है। इसी को लेकर जन चेतना अभियान के तहत विद्यालयों के समय में बदलाव और मूलभूत सुविधाएं बढ़ाने की मांग को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया।

जिला महासचिव बनवारी गाडरी और एनएसयूआई के पूर्व जिलाध्यक्ष रितेश गुर्जर के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को मेल के माध्यम से ज्ञापन भेजा गया। ज्ञापन में बताया गया कि चिलचिलाती गर्मी और लू के बीच छोटे-छोटे बच्चे बिना पर्याप्त व्यवस्थाओं के स्कूल जाने को मजबूर हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

ज्ञापन में मांग की गई है कि जिले के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों का समय तत्काल प्रभाव से सुबह 7:30 बजे से 11:30 बजे तक किया जाए। साथ ही स्कूलों में पंखे, शुद्ध पेयजल और लू से बचाव के पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं।

इसके अलावा हीट वेव को देखते हुए शिक्षा विभाग से बच्चों की सुरक्षा के लिए विशेष गाइडलाइन जारी करने और जिला प्रशासन द्वारा नियमित औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की निगरानी करने की भी मांग उठाई गई है।

रितेश गुर्जर ने कहा कि अन्य जिलों की तर्ज पर भीलवाड़ा में भी बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए त्वरित निर्णय लिया जाना चाहिए, ताकि नौनिहालों को इस भीषण गर्मी से राहत मिल सके।

यूपी नंबर की क्रेटा कार से 17 लाख का डोडा चूरा जब्त, गाड़ी छोड़ तस्कर फरार

डीएसटी और काछोला पुलिस का जॉइंट ऑपरेशन, राजगढ़ के जंगलों में लावारिस मिली कार से 113 किलो मादक पदार्थ बरामद

स्मार्ट हलचल| काछोला (भीलवाड़ा)

जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस का ताबड़तोड़ एक्शन जारी है। इसी कड़ी में जिला विशेष टीम (छ्रस्ट) और काछोला थाना पुलिस ने एक बड़ी संयुक्त कार्रवाई करते हुए राजगढ़ के जंगलों से एक लावारिस हुंडई क्रेटा कार पकड़ी है। पुलिस ने कार की तलाशी में 113 किलो 60 ग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जब्त मादक पदार्थ की कीमत करीब 17 लाख रुपये आंकी गई है। हालांकि, तस्कर पुलिस को चकमा देकर जंगल के रास्ते मौके से फरार होने में कामयाब रहा।

राजगढ़ के जंगलों में मिली संदिग्ध कार:

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ जिलेभर में विशेष अभियान चल रहा है। इसी के तहत शुक्रवार (24 अप्रैल 2026) को डीएसटी के एएसआई अशोक कुमार को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली थी कि सरहद राजगढ़ के जंगल में एक यूपी नंबर की हुंडई क्रेटा कार संदिग्ध हालत में खड़ी है,

जिसमें भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ हो सकता है।

कार में मिले डोडा चूरा से भरे 6 कट्टे:

सूचना के आधार पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शाहपुरा) राजेश आर्य और कोटड़ी वृत्ताधिकारी सुरेश कुमार डाबरीया के सुपरविजन में डीएसटी व काछोला थाने की एक विशेष संयुक्त टीम का गठन किया गया। टीम ने जब राजगढ़ के जंगल में दबिश दी तो वहां क्रेटा कार (यूपी 14 सीडब्लू 8777) लावारिस हालत में मिल गई। पुलिस ने जब कार की तलाशी ली, तो उसके अंदर 6 प्लास्टिक के कट्टों में कुल 113.060 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा भरा हुआ पाया गया।

एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज, मालिक की तलाश:

अंधेरे और घने जंगल का फायदा उठाकर तस्कर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ और क्रेटा कार को जब्त कर काछोला थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत प्रकरण (संख्या 83/2026) दर्ज कर लिया है। पुलिस अब कार के रजिस्ट्रेशन नंबर और चेसिस के आधार पर उसके मालिक और फरार तस्कर की सरगर्मी से तलाश कर रही है।

कार्रवाई में इस टीम का रहा विशेष योगदान:

इस पूरी कार्रवाई में डीएसटी के एएसआई अशोक कुमार कडवा और कांस्टेबल गोपाल राम का विशेष योगदान रहा। टीम में काछोला थाने से सउनि इन्द्रराज, सउनि श्रवण कुमार, हैड कांस्टेबल गोपेश कुमार, कांस्टेबल नितेश कुमार, जयनारायण, कांस्टेबल चालक प्यारचन्द तथा डीएसटी से कांस्टेबल शंकर लाल, कन्हैया लाल मीणा और कमल कुमार शामिल रहे।

30 को भीलवाड़ा में 'सितारों का मेला'

कॉमेडी का तड़का लगाएंगे एहसान कुरैशी

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा शहर 30 अप्रैल को एक भव्य और यादगार आयोजन का साक्षी बनने जा रहा है। पार्षद श्याम लाल मल्होत्रा की धर्मपत्नी कौशल्या देवी मल्होत्रा के सम्मान में आयोजित रिटायरमेंट समारोह में बॉलीवुड के मशहूर कॉमेडियन एहसान कुरैशी अपनी विशेष प्रस्तुति देंगे।

इस आयोजन को लेकर शहर में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और गणमान्य नागरिकों के शामिल होने की संभावना है, जिससे यह कार्यक्रम एक बड़े सामाजिक-सांस्कृतिक आयोजन का रूप लेता नजर आ रहा है।

अपने अनोखे अंदाज और बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग के लिए पहचान रखने वाले एहसान कुरैशी की मौजूदगी कार्यक्रम में मनोरंजन का खास आकर्षण होगी। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम को भव्य और यादगार बनाने के लिए तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

यह समारोह न केवल एक सम्मान का अवसर होगा, बल्कि भीलवाड़ा के सामाजिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में एक विशेष पहचान भी छोड़ने वाला आयोजन साबित होगा।

नारी सम्मान को लेकर भीलवाड़ा में उफानः सड़कों पर उतरा महिलाओं का सैलाब, पुतलों की शवयात्रा निकाल जताया आक्रोश

जूतों की माला पहनाकर किया विरोध, मां दुर्गा के स्वरूप में 'संहार' कर कूड़ेदान में फेंके पुतले

स्मार्ट हलचल| महेन्द्र नागौरी

भीलवाड़ा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर सियासी घमासान के बीच भीलवाड़ा में महिलाओं का जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला। सर्व महिला समाज के आह्वान पर शनिवार को शहर की सड़कों पर महिलाओं का सैलाब उमड़ पड़ा। जन आक्रोश पदयात्रा के जरिए सैकड़ों महिलाओं ने महिला आरक्षण अटकाने के विरोध में जोरदार प्रदर्शन कर अपने सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा का संदेश दिया।

भोपाल क्लब चौराहे से शुरू हुई पदयात्रा में महिलाओं ने विपक्षी नेताओं के पुतलों की शवयात्रा निकालते हुए जूतों की माला पहनाकर कड़ा विरोध दर्ज कराया। हाथों में तख्तियां और नारों के साथ निकली यह रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई सूचना केंद्र पहुंची, जहां प्रदर्शन उग्र रूप में नजर आया। 'नारी शक्ति जिंदाबाद' और 'नारी सम्मान में महिलाएं मैदान में' जैसे नारों से पूरा शहर गूंज उठा।

सूचना केंद्र स्थित बजरंगी चौराहे पर प्रदर्शन के दौरान एक महिला ने मां दुर्गा का रूप धारण कर त्रिशूल से पुतलों का प्रतीकात्मक संहार किया। इसके बाद आक्रोशित महिलाओं ने पुतलों को कूड़ेदान में डालते हुए संदेश दिया कि महिला विरोधी सोच रखने वालों के लिए समाज में कोई स्थान नहीं है।

इस मौके पर भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष मधु शर्मा ने कांग्रेस और विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि महिला आरक्षण को रोकना नारी शक्ति के साथ विश्वासघात है। उन्होंने कहा कि देश की महिलाएं इसका जवाब आने वाले चुनावों में देंगी। वहीं जन आक्रोश अभियान की संयोजिका कोमल परिहार ने कहा कि नारी अपने अपमान का जवाब देना जानती है।

भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने कहा कि भीलवाड़ा की सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब इस बात का प्रमाण है कि महिलाएं अब अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो चुकी हैं और किसी भी साजिश को बर्दाश्त नहीं करेंगी।

प्रदर्शन में महिला मोर्चा की पदाधिकारी, विभिन्न संगठनों की कार्यकर्ता, छात्राएं और शहर की बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल रहीं।

मतदाता सूची पुनरीक्षण शुरूः 27 अप्रैल तक दावे-आपत्तियां का मौका

26 अप्रैल को विशेष शिविर, बूथ स्तर पर मौके पर होगा निस्तारण

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 को लेकर नगर निगम क्षेत्र में मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण कार्य जारी है। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 13 अप्रैल को प्रारूप प्रकाशन के बाद अब 27 अप्रैल तक दावे-आपत्तियां आमंत्रित की गई हैं।

निर्वाचक पंजीयन अधिकारी (एसडीओ) ने बताया कि मतदाता फॉर्म 03, 05 और 06 के माध्यम से नाम जोड़ने, हटाने व संशोधन कर सकते हैं। विशेष अभियान के तहत 26 अप्रैल को सभी बूथों पर प्रगणक मौजूद रहेंगे और मौके पर ही आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे समय रहते अपनी जानकारी जांचकर आवश्यक सुधार करवाएं। 1 जनवरी 2026 तक 18 वर्ष पूर्ण करने वाले सभी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज करा सकते हैं।

हरफूल सिंह यादव ने सम्हाला बूंदी जिला कलेक्टर का पदभार

स्मार्ट हलचल| बूंदी

हरफूल सिंह यादव ने बूंदी पहचकर आज बूंदी जिला कलेक्टर का पदभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने बताया कि उनकी पहली प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और पर्यटन रहेगी। किसानों को आने वाली हर परेशानी को दूर करने की कोशिश की जाएगी।

जिला कलेक्टर के दोपहर बाद सरकिट हाउस पहुंचने पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामकिशोर मीणा, सीओ,रवी वर्मा, एवं उपखंड अधिकारी बूंदी एवं तहसीलदार बूंदी ने स्वागत किया।

जिला कलेक्टर हरफूलसिंह यादव ने बताया कि आमजन की हर शिकायत को प्रमुखता से लिया जाकर उसका निस्तारण करने के हर सम्भव प्रयास होंगे। उन्होंने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से बूंदी राजस्थान में एक बहुत अच्छा शहर माना जाता है। इसलिए पर्यटन की दृष्टि से शहर को सुंदर बनाने के

हर सम्भव प्रयास किए जाएंगे।

मीडिया से चर्चा के दोरान उन्होंने कहा कि बूंदी जिले का सर्वांगीण विकास उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। बूंदी शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के हर सम्भव प्रयास किये जाएंगे।

सांसद दामोदर अग्रवाल लोकसभा सत्र के दौरान सदन में रहे अव्वल

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

सांसद दामोदर अग्रवाल सदन में 73 प्रश्न पूछकर राजस्थान में द्वितीय स्थान पर रहे व सदन की 46 दिन में से 45 दिन उपस्थिति दर्ज करवाई।

साँसद प्रवक्ता विनोद झुरानी ने बताया की बजट सत्र 2026 में भीलवाड़ा सांसद की सचेतक की भूमिका में व सदन में उपस्थिति व अपने लोकसभा क्षेत्र के मुद्दों पर आवाज बुलंद करने में अव्वल रहे। व भीलवाड़ा का नाम सदन में सक्रियता से रोशन किया । इस तरह रहा रिपोर्ट कार्ड

1. संसद मे उपस्थिति - 46/45
2. कुल प्रश्न पूछे - 73
3. नियम 377 के तहत उठाए मुद्दे 7 -

लोकसभा सदन में भीलवाड़ा शहर के पूर्वी एवं पश्चिमी क्षेत्र के मार्ग पर ट्रैफिक दवाब को कम करने हेतु नए रेल ओवर ब्रिज के निर्माण के बारे में ।

नसीराबाद से जलींद्री (मांडलगढ़) वाया केकड़ी-देवली-शक्करगढ़ नई रेल लाइन के निर्माण द्वारा अजमेर से कोटा को रेलमार्ग से जोड़ने की आवश्यकता को पुरजोर तरीके से रखा । शून्य काल में उठाये मुद्दे - में विशेष रुप से

नई दिल्ली व मुम्बई से नई रेलगाड़ी चलाने की आवश्यकता के बारे में ।हमीरगढ़ हवाई पट्टी से दिल्ली मुम्बई अहमदाबाद की नियमित रूप से हवाई सेवाओं का मुद्दा उठाया व धारा 377 के तहत मेवाड़ क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित नाथद्वारा से सांगानेर वाया कांकरोली , गंगापुर , गुरलां , कारोई , बनेड़ा , शाहपुरा , केकड़ी रेल मार्ग स्वीकृत करने की मांग पुरजोर तरीके से प्रस्तुत की अग्रवाल ने सदन में वाहनों के रजिस्ट्रेशन की बी एच सीरीज में आने वाली विसंगतियों का मुद्दा भी उठाया। विशेष : जैसे महत्वपूर्ण सरकारी विधेयकों के सदन में चर्चा एवं पारित होने के दौरान सचेतक भारतीय जनता पार्टी होने के नाते राजस्थान के सभी भाजपा लोक सभा सांसदों की सदन में शत प्रतिशत उपस्थिति हेतु समन्वय किया।

दौलजी का खेड़ा में कल्लाजी राठौड़ मंदिर का पांच दिवसीय धार्मिक महोत्सव शुरू, भव्य कलश यात्रा से हुआ आगाज

कलश प्रतिष्ठा और पंच कुंडीय महायज्ञ का आयोजन, 29 अप्रैल को पूर्णाहुति और महाप्रसादी के साथ होगा समापन

स्मार्ट हलचल

मांडलगढ़। उपखंड क्षेत्र के दौलजी का खेड़ा ग्राम में श्री 1008 कल्लाजी राठौड़ मंदिर के कलश प्रतिष्ठा महोत्सव एवं पंच कुंडीय महायज्ञ का शनिवार (25 अप्रैल) को भव्य शुभारंभ हुआ। पांच दिवसीय (25 से 29 अप्रैल 2026 तक) इस धार्मिक आयोजन का आगाज एक विशाल कलश और शोभायात्रा के साथ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ मंडप प्रवेश व अग्नि स्थापनः

महोत्सव के पहले दिन शनिवार को यज्ञ आचार्य बनवारी लाल शर्मा और गुरुजी नंदा नाथ के सान्निध्य में धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। इसमें मुख्य रूप से गणपति स्थापना, कलश यात्रा, मंडप प्रवेश, आवाहन पूजन और अग्नि स्थापन का कार्यक्रम पूरे विधि-विधान व वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया गया। इस अवसर पर समिति सदस्य जगदीश चंद्र मीणा, मदन लाल मीणा और रतिराम मीणा सहित समस्त ग्रामीण और श्रद्धालु मौजूद रहे।

यह रहेगा आगामी पांच दिनों का कार्यक्रमः

आयोजन समिति ने बताया कि पांच दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव में प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान होंगेः

26 अप्रैल (रविवार): प्रातः 8 बजे से पूजन एवं हवन।

27 अप्रैल (सोमवार): सायं 4 बजे से चारभुजा नाथ का भव्य नगर भ्रमण।

28 अप्रैल (मंगलवार): सायं 5 बजे से पूजन, हवन और अधिवास कर्म।

29 अप्रैल (बुधवार): प्रातः 10 बजे अभिषेक, 11 बजे मंदिर शिखर पर कलश स्थापना, दोपहर 12:15 बजे महायज्ञ की पूर्णाहुति और दोपहर 2 बजे से विशाल महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा।

प्रतिदिन हो रही विशेष पूजा-अर्चनाः

महोत्सव के दौरान मंदिर के पुजारी कैलाश चंद्र, उदय लाल और सूरजमल के सान्निध्य में प्रतिदिन विशेष पूजा-अर्चना और भव्य आरती का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालु धर्मलाभ उठा रहे हैं। पूरे गांव में उल्लास और भक्तिमय माहौल बना हुआ है।

मुस्कान वेलफेयर सोसाइटी द्वारा 11 जरूरतमंद बच्चियों को लिया गोद

स्मार्ट हलचल| बूंदी

मुस्कान वेलफेयर सोसाइटी द्वारा वर्ष 2026-27 में ग्यारह (11) निर्धन एवं जरूरतमंद बच्चियो को गोद लिया गया। मुस्कान संस्था उनके साल भर की पढ़ाई का खर्चा वहन करेगी। ये राजकीय महारानी उच्च माध्यमिक विद्यालय की कक्षा 10 एवं 12 की छात्राए है। इसी क्रम में सर्वप्रथम आज विद्यालय के प्रधानाचार्य रितेश सनाठाय को ग्यारह छात्राओ की एडमिशन फीस सौपी गई। मुस्कान अध्यक्ष डॉ नीतू नुवाल ने जानकारी दी कि प्रधानाचार्य महोदय ने मुस्कान संस्था द्वारा किए जाने वाले इस पुनीत कार्य के लिए सभी मुस्कान सदस्यों का आभार व्यक्त किया एवं बालिकाओ के चेहरो पर मुस्कान लाने के इस प्रयोजन की प्रशंसा की।

इस कार्यक्रम के दौरान मुस्कान सचिव मुकेश शर्मा, उपाध्यक्ष सोनल नुवाल, सदस्य असरार अंसारी, अंकिता नुवाल, स्तुति, अध्यापक गण अनुपमा गौतम, रिंकू मंत्री, तेजमल जैन, जसबीर मीणा इत्यादि उपस्थित रहे ।

जनता क्लिनिक कापरेन का सीएमएचओ ने किया औचक निरीक्षण

स्मार्ट हलचल| बूंदी

शनिवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. सामर ने कापरेन स्थित जनता क्लिनिक का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। हाल ही में क्लिनिक के नई बिल्डिंग में शिफ्ट होने के बाद व्यवस्थाओं की स्थिति का उन्होंने गहन निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ ने क्लिनिक में संबंधित अधिकारी को आवश्यक व्यवस्थाएं जल्द से जल्द सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जनता क्लिनिक पर संचालित विभागीय योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की और ऑनलाइन पंजीकरण, दवा वितरण, जांच सेवाओं सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी सेवाएं सुचारू रूप से संचालित हों। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, रिकॉर्ड संधारण एवं मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का भी जायजा लिया गया, साथ ही स्टाफ को निर्देशित किया कि संस्थान में अनुशासन बनाए रखते हुए जिम्मेदारी के साथ कार्य करें और मरीजों को बेहतर सेवाएं प्रदान करें।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि नई बिल्डिंग में शिफ्ट होने के बावजूद व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी आवश्यक सुविधाएं जल्द से जल्द पूर्ण की जाएं।

मानव एकता दिवस पर रक्तदान शिविर, 25 यूनिट रक्त संग्रहित

स्मार्ट हलचल| सुनेल

मानव एकता दिवस के पावन अवसर पर संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन, ब्रांच सुनेल द्वारा आयोजित द्वितीय रक्तदान शिविर शुक्रवार को पिड़ावा रोड स्थित निरंकारी भवन (कमर मंजिल) में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। शिविर में समाजसेवियों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर मानव सेवा का संदेश दिया। ब्रांच के मुखिया राजेंद्र गुप्ता निरंकारी एवं विजय गुप्ता निरंकारी ने बताया कि शिविर में कुल 25 यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया। यह रक्त झालावाड़ स्थित ब्लड बैंक में जमा करवाया गया, जिससे समय पर जरूरतमंद मरीजों को सहायता मिल सकेगी। शिविर में एस.आर.जी. हॉस्पिटल एवं मेडिकल कॉलेज, झालावाड़ की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम में डॉ. हनीफ खान, डॉ. करण, पुखराज, राजेश गुर्जर लेब टेक्नीशियन, नरेंद्र लेब टेक्नीशियन, वैभव लेब टेक्नीशियन तथा वार्ड बॉय गिरिराज शामिल रहे।इस अवसर पर समाजसेवी हेमराज पारेता सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे और रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे शिविर समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करते हैं।

श्री जी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय पर छात्र-छात्राओं ने अवैध फाइन वसूली, मानसिक उत्पीड़न का लगाया आरोप

जातिगत अपमानित का भी लगाया आरोप

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। बिजौलियाँ स्थित श्री जी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने कॉलेज प्रबंधन पर अवैध फाइन वसूली, मानसिक उत्पीड़न एवं जातिगत टिप्पणियों के आरोप लगाते हुए जिला कलेक्टर के नाम का तहसीलदार ललित डीडवानिया को आज एक ज्ञापन सौंपा है। विद्यार्थियों ने आरोप लगाया कि अतिरिक्त शुल्क लेने के लिए उन्हें बार-बार दबाव बनाया जाता है और राशि नहीं देने पर परीक्षा में बैठने से रोकने व प्रैक्टिकल में फेल करने की धमकी तक दी जाती है।

छात्र-छात्राओं का कहना है कि सत्र 2025-26 के निमित हम सब विद्यार्थीगण पी.टी.ई.टी. परिक्षा के मार्फत श्री जी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय बिजौलियों में प्रवेश प्राप्त किया है। नियमानुसार हमने सभी दस्तावेज सम्मिलित करवाये एवं शिक्षण संस्था का जो शिक्षण शुल्क होता है वह भी हमने चालान के माध्यम से जमा करा रखा है।

शिक्षण संस्था द्वारा अतिरिक्त फिस कमाने की नियत से जानबुझकर समय समय पर बिना नियमानुसार फाईन लगा कर हम सब विद्यार्थीगणो से अवैध वसुली करते है और अवैध फाईन नही देने पर भविष्य खराब करने की धमकी व परिक्षा में प्रवेश नही देने की धमकी एवं प्रेक्टीकल परिक्षा में फेल करने की धमकी देते है। जिससे विद्यार्थीगण मानसिक एवं आर्थिक दोनो तरह से परेशान होता है। उक्त कारण से अध्ययन में भी मन नही लगता है। और विद्यार्थीगणो का उक्त महाविद्यालय में शोषण हो रहा है। विद्यार्थीगणो में दलित वर्ग के छात्र छात्राए भी है जिन्हे जातिगत शब्दो से अपमानित करते हुए उन्हे उनकी औकात दिखाने की बार बार बात की जाती है साथ ही शोचालयों की सफाई भी छात्र छात्राओ से ही करवाई जाती है। विद्यार्थियों ने बताया कि 25 अप्रैल को भी हमारे परीक्षा है लेकिन हमे परेशान किया और परिक्षा नहीं देने दे रहे है। छात्र-छात्राओं ने आरोप लगाया की शिकायत करने पर धमकियां दी जाती है तथा राजनीतिक पहुंच की बात भी संस्था प्रधान द्वारा की जाती है।

पुण्यतिथि पर किया रक्तदान

स्मार्ट हलचल|चित्तौड़गढ़

रैगर समाज युवा संगठन चित्तौड़गढ़ के अध्यक्ष मुकेश कुमार ने अपने पूज्य पिताजी की पांचवीं पुण्यतिथि पर रक्तदान कर समाज के सामने एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मानव सेवा और समाजहित का सशक्त संदेश दिया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इसके पश्चात मुकेश कुमार जी ने स्वयं रक्तदान करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है, जो किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने में सहायक होता है। उन्होंने समाजजनों और युवाओं से अपील की कि वे ऐसे सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लें।

इसी क्रम में चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर जीव-जन्तुओं, विशेष रूप से वानरों को फल खिलाकर करुणा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठजनों और गणमान्य व्यक्तियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्य समाज में जागरूकता, एकता और सेवा की भावना को मजबूत करते हैं।

अंत में संगठन की ओर से सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के जनसेवा कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया गया।

विश्व मलेरिया दिवस पर जिलेभर में जागरूकता की जगाई अलख, जन-जन तक पहुंचा बचाव का संदेश

स्कूलों, गांवों और घर-घर जनसंवाद के जरिए मलेरिया रोकथाम, उपचार और सावधानियों की दी जानकारी

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर जिलेभर में 'अब कर सकते हैं, अब करना होगा' थीम के तहत व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने गांव-गांव, ढाणियों, स्कूलों और शहरी क्षेत्रों में पहुंचकर आमजन को मलेरिया से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रमों के अंतर्गत जनसंवाद के माध्यम से घर-घर जाकर लोगों को मलेरिया रोग के लक्षण, उपचार और रोकथाम के बारे में जानकारी दी गई। स्कूलों में विशेष सत्र आयोजित कर बच्चों को मलेरिया के प्रति जागरूक किया गया, ताकि वे स्वयं सुरक्षित रहें और अपने परिवार को भी जागरूक कर सकें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि स्कूलों में बच्चों को मलेरिया के कारण, लक्षण, बचाव एवं उपचार के बारे में विस्तार से समझाया गया। उन्होंने कहा कि

समय पर पहचान और सही उपचार से मलेरिया को पूरी तरह नियंत्रित किया जा सकता है।

डिप्टी सीएमएचओ डॉ. प्रवीण झरवल ने जानकारी दी कि मलेरिया दिवस के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा गांव-गांव और ढाणियों में विशेष जागरूकता गतिविधियां संचालित की गईं। इस दौरान लोगों को मच्छरों से बचाव, साफ-सफाई बनाए रखने और पानी जमा न होने देने के महत्व के बारे में बताया गया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों के लार्वा का प्रदर्शन कर लोगों को व्यावहारिक रूप से समझाया गया, जिससे वे अपने आसपास के वातावरण में लार्वा की पहचान कर उसे नष्ट करने के लिए प्रेरित हो सकें।

स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से अपील की है कि वे अपने घरों और आसपास पानी जमा न होने दें, मच्छरदानी का उपयोग करें तथा बुखार आने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराएं, ताकि मलेरिया पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके।

संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में हुई आरएनटी मेडिकल कॉलेज की आरएमआरएस बैठक, सांसदों और विधायक ने की बड़ी घोषणाएं

अस्पताल की बुनियादी सुविधाओं के लिए मिले करोड़ों के प्रस्ताव, राज्यसभा और लोकसभा सांसदों ने दीं 6 वातानुकूलित एम्बुलेंस

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

रवींद्रनाथ टैगोर (आरएनटी) मेडिकल कॉलेज से संबद्ध चिकित्सालयों में स्वास्थ्य सुविधाओं को आधुनिक बनाने और रोगियों की सुगमता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शनिवार को राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी (आरएमआरएस) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। संभागीय आयुक्त सुश्री प्रज्ञा केवलरमानी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने शिरकत की।

सांसद मद से मिलेंगी 6 नई वातानुकूलित एम्बुलेंस

बैठक के दौरान प्रधानाचार्य डॉ. राहुल जैन ने एक गंभीर समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए बताया कि वर्तमान में मरीजों को एक आरएनटी परिसर मे स्थित एक चिकित्सालय से दूसरे चिकित्सालय मे ले जाने के लिए स्ट्रेचर का उपयोग करना पड़ता है। इससे गर्मी और बरसात के मौसम में मरीजों को अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ता है। मरीजों के हित में त्वरित निर्णय लेते हुए राज्यसभा सदस्य चुन्नी लाल गरासिया ने अपने सांसद मद से 3 वातानुकूलित मारुति ईको एम्बुलेंस देने की घोषणा की। लोकसभा सांसद डॉ मन्नालाल रावत ने भी चिकित्सालय हित में 3 वातानुकूलित मारुति ईको एम्बुलेंस प्रदान करने की स्वीकृति दी। इन कुल 6 एम्बुलेंसों की अनुमानित लागत लगभग 60 लाख रुपये है, जिससे अस्पताल परिसर के भीतर मरीजों का स्थानांतरण सुरक्षित और आरामदायक हो सकेगा।

विधायक मद और डीएमएफटी फंड से बुनियादी ढांचे का सुदृढ़ीकरण

उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा ने चिकित्सालय में कैंसर और अन्य बीमारियों की जांच के लिए अत्याधुनिक साइटोलॉजी लैब स्थापित करने हेतु अपने विधायक मद से 11 लाख रुपये देने की घोषणा की। इसके अतिरिक्त, आपातकालीन परिस्थितों मे जैसे तेज अंधड़/तूफान/चक्रवात इत्यादि के समय बिजली कटौती के दौरान निर्बाध चिकित्सा सेवा सुनिश्चित करने के लिए डीएमएफटी फंड से 2.6 करोड़ रुपये की लागत से तीन बड़े जनरेटर सेट खरीदने का प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसे शीघ्र ही जिला कलेक्टर कार्यालय भिजवाया जाएगा।

आरएसएमएम को भेजे जाएंगे विकास के नए प्रस्ताव

बैठक में चिकित्सालयों की विभिन्न आवश्यकताओं के लिए आरएसएमएम को प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया गया, जिनमें मुख्य रूप से रक्तदान को बढ़ावा देने हेतु एक आधुनिक ब्लड डोनेशन बस, हिरण मगरी सेटेलाईट चिकित्सालय के लिए सी.टी. स्कैन मशीन, कार्डियोलॉजी विभाग के लिए विशेष जनरेटर सेट, ऑडिटोरियम हेतु अत्याधुनिक ऑडियो एवं माइक सिस्टम, आदि शामिल हैं। संभागीय आयुक्त सुश्री केवलरमानी ने सभी प्रस्तावों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने और चिकित्सालयों में स्वच्छता व मरीजों की सेवा को सर्वोपरि रखने के निर्देश प्रदान किए।

यह रहे उपस्थित

बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर दीपेंद्र सिंह, महाराणा भूपाल चिकित्सालय, सुपर स्पेशियलिटी, पन्नाधाय चिकित्सालय, टी.बी. चिकित्सालय (बड़ी), सेठ राम विलास भुवालका यक्ष्मा आरोग्य सदन, सेटेलाईट चिकित्सालय (हिरण मगरी) और सुंदर सिंह भंडारी जिला चिकित्सालय (अम्बामाता) के अधीक्षक एवं विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों के साथ ही अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बार काउंसिल चुनाव में लॉ स्टूडेंट्स की एंट्री पर सवाल, रोक लगाने की मांग

उम्मीदवार पूनमचंद भंडारी का हाई पावर कमेटी को पत्र, छात्रों के प्रचार में शामिल होने पर जताई आपत्ति

स्मार्ट हलचल

जयपुर / भीलवाड़ा। राजस्थान बार काउंसिल चुनाव को लेकर नया विवाद सामने आया है। सदस्य पद के उम्मीदवार एडवोकेट पूनमचंद भंडारी ने लॉ कॉलेज के छात्रों की चुनावी गतिविधियों में भागीदारी पर सख्त आपत्ति जताते हुए इसे रोकने की मांग उठाई है।

भंडारी ने हाई पावर कमेटी, दिल्ली के अध्यक्ष को पत्र लिखकर कहा है कि राजस्थान के सभी लॉ कॉलेज प्राचार्यों को निर्देश जारी किए जाएं, ताकि छात्र पढ़ाई छोड़कर वकीलों के चुनाव में शामिल न हों। उन्होंने आरोप लगाया कि 22 अप्रैल को हुए मतदान के दौरान हाईकोर्ट परिसर के बाहर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं प्रचार करते नजर आए, जहां हंगामा और नारेबाजी भी हुई। इतना ही नहीं, कुछ छात्र मतदान कक्ष तक पहुंच गए।

भंडारी का आरोप है कि कुछ उम्मीदवार छात्रों को लालच देकर, यहां तक कि इंटर्नशिप सर्टिफिकेट का प्रलोभन देकर चुनावी प्रचार में शामिल कर रहे हैं। उन्होंने इसे न्यायिक प्रक्रिया और पेशे की गरिमा के खिलाफ बताया।

उन्होंने कहा कि जो छात्र इस स्तर पर अनुशासनहीनता कर रहे हैं, उनसे भविष्य में न्याय व्यवस्था की गरिमा बनाए रखने की उम्मीद नहीं की जा सकती। ऐसे में कॉलेजों को सख्त निर्देश दिए जाएं कि छात्र चुनावी गतिविधियों से दूर रहें, अन्यथा उनके खिलाफ कार्रवाई हो।

भंडारी ने चेतावनी दी कि यदि कॉलेज इस आदेश की पालना नहीं कराते हैं तो उनकी मान्यता तक रद्द करने पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कानून के क्षेत्र में आने वाले युवाओं को शुरुआत से ही अनुशासन और मर्यादा का पालन करना जरूरी है।

आंगनबाड़ी में व्याप्त समस्याओं के निराकरण हेतु दिया ज्ञापन

स्मार्ट हलचल| बूंदी

भारतीय मजदूर संघ जिला बूंदी का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष विकास दीक्षित ने नेतृत्व में जिला कलेक्टर महोदय, बूंदी से मिला ओर आंगनबाड़ी में व्याप्त समस्याओं को लेकर माननीय मुख्यमंत्री महोदय व माननीया उप मुख्यमंत्री महोदया एवं महिला बाल विकास मंत्री महोदय राजस्थान सरकार के नाम ज्ञापन सौपा गया।

भारतीय मजदूर संघ के कार्यकारी जिलाध्यक्ष तोलाराम जी ने बताया कि आंगनबाड़ी में काफी समय से कर्मचारियों से सम्बन्धित काफी समस्याऐं चली आ रही है जिसमें वर्ष 2025-26 के बजट में ग्रेच्युटी के रूप में एक मुश्त राशि देने की घोषणा की थी लंबा समय व्यतीत होने के पश्चात भी आदेश जारी नहीं किए गए हैं। सेवानिवृत्ति के पश्चात पेंशन के रूप में 10000 राशि प्रति माह दिलवाई जाए, अधिकांश जिलों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता/ सहायिका को सेवानिवृत्ति पर देय बीमा राशि का भुगतान नहीं हो रहा है। अन्य प्रदेशों की भांति राजस्थान में भी सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष की जावे, ऑनलाइन कार्य अधिक होने के कारण उच्च क्वालिटी का टैबलेट/5 जी मोबाइल उपलब्ध करवाया जाए, चुनाव घोषणा पत्र में किए गए आंगनबाड़ी के मानदेय में 13500 रुपये एवं सहायिका के 6500 रूपये की घोषणा की गई थी उक्त सभी आदेश शीघ्र जारी कराने की मांग ज्ञापन में की गई।

इस दौरान प्रतिनिधि मंडल में संघटन मंत्री रामदत्त वैष्णव, विद्युत संघ से लक्षित, कर्मचारी महासंघ से सुदेश गौतम, ऋषिराज कुमावत, राजकुमार बंसल, भूपेंद्र सनाढ्य, सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हरनावदाशाहजी में जाम ने बिगाड़ी व्यवस्था, हालात बेकाबू

स्मार्ट हलचल

हरनावदाशाहजी कस्बे में इन दिनों जाम की समस्या विकराल रूप ले चुकी है। शनिवार को पूरे दिन शहर की सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आए और आमजन घंटों तक जाम में फंसे रहे। बाजार क्षेत्र की संकरी गलियां पूरी तरह जाम से जूझती दिखीं। मामले को लेकर व्यापारी वर्ग ने नाराजगी जताते हुए प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि मेला मैदान का वैकल्पिक मार्ग गुरुवार से बंद कर दिया गया है, जिससे हालात और बिगड़ गए हैं। पहले इसी रास्ते से लोडिंग वाहन निकलते थे, जिससे मुख्य बाजार पर दबाव कम रहता था, लेकिन वर्तमान में निर्माण कार्य के चलते यह मार्ग बंद है। अब सभी वाहन एक ही मार्ग से गुजर रहे हैं, जिससे लगातार जाम की स्थिति बनी हुई है। खास बात यह है कि विवेकानंद सर्किल से पुराने थाने तक रोजाना जाम लग रहा है, जिससे व्यापार और आमजन दोनों प्रभावित हो रहे हैं। दिनभर सड़कें वाहनों और लोगों से पूरी तरह भरी रहती हैं, जिससे पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि कई बार इस जाम में एम्बुलेंस तक फंस जाती है, वहीं बीमार व्यक्ति को अस्पताल ले जा रहे वाहन भी लंबे समय तक जाम में अटके रहते हैं, जिससे लोगों की चिंता और बढ़ गई है।

व्यापारियों की प्रमुख मांगें है कि बाजार में ट्रैफिक पुलिस की स्थायी तैनाती की जाए।भारी वाहनों के लिए अलग रूट निर्धारित किया जाए। मेला मैदान का वैकल्पिक मार्ग जल्द से जल्द खोला जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में जाम की समस्या और भी गंभीर रूप ले सकती है।

हितेन्द्र सिंह सांखला बने भारतीय राष्ट्रीय हिन्दू खटीक समाज के जयपुर जिला प्रभारी

संगठन विस्तार के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की नियुक्ति, समाज को मजबूती देने का दिलाया विश्वास

स्मार्ट हलचल|जयपुर

भारतीय राष्ट्रीय हिन्दू खटीक समाज ने अपने संगठन का विस्तार करते हुए नई नियुक्ति की है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष छैल बिहारी किराड़ और राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी नरेन्द्र सांखला ने किशनगढ़ रेनवाल (जयपुर) निवासी हितेन्द्र सिंह सांखला को जयपुर का जिला प्रभारी नियुक्त किया है।

शीर्ष नेतृत्व का जताया आभार:

जयपुर जिला प्रभारी का महत्वपूर्ण दायित्व मिलने पर नवनियुक्त पदाधिकारी हितेन्द्र सिंह सांखला ने राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने समाज के पदाधिकारियों को विश्वास दिलाया कि वे जयपुर जिले में संगठन को अधिक मजबूती प्रदान करने, समाज को एकजुट करने और संगठन के हित में पूरी निष्ठा व समर्पण के साथ कार्य करेंगे।

पदाधिकारियों ने दी बधाई:

हितेन्द्र सिंह सांखला की इस नियुक्ति पर समाज के विभिन्न प्रदेश प्रभारियों और पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। मुख्य रूप से हरियाणा के प्रदेश प्रभारी विक्की सांवरिया, मध्यप्रदेश के प्रदेश प्रभारी यश खटीक, कुमारी सोनम कपूर, उत्तरप्रदेश के प्रदेश प्रभारी बृजेश सोनकर सहित शीर्ष नेतृत्व के अन्य पदाधिकारियों ने सांखला को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

नयागांव टांडी बंजारी में सनसनीखेज चोरी, घर की कच्ची दीवार तोड़कर घर में घुसे चोर

स्मार्ट हलचल

हरनावदाशाहजी। क्षेत्र के नयागांव टांडी बंजारी में बीती रात एक बड़ी चोरी की वारदात ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी। अज्ञात चोरों ने सुनियोजित तरीके से कच्चे मकानों की पीछे की दीवारों को खोदकर घर में प्रवेश किया और बक्सों में रखा कीमती सामान लेकर फरार हो गए।

फरियादी भूरालाल मीणा पुत्र मिश्रीलाल मीणा ने बताया कि चोर घर से लगभग 800 ग्राम चांदी, करीब 5000 रूपए नकद राशि, लगभग 8 किलो घी तथा कपड़े व लूगड़ियां सहित दो बक्से चोरी कर ले गए। बताया जा रहा है कि घटना के समय पूरा परिवार शादी-लगन के कार्यक्रम में गया हुआ था, जिसका फायदा उठाकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया।

पीड़ित भूरालाल मीणा ने आशंका जताई है कि यह चोरी किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा की गई हो सकती है, जिसे घर की पूरी जानकारी थी। वहीं उनके बेटे धनराज ने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति पहले से ही कमजोर है और इस घटना के बाद उनकी माता की तबीयत भी बिगड़ गई है।

क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाएं, ग्रामीणों में भारी आक्रोश

लगातार हो रही चोरी की वारदातों से ग्रामीणों में भय और नाराजगी का माहौल है। लोगों का कहना है कि चोरों ने इलाके में आतंक मचा रखा है, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। थानाधिकारी दीनदयाल वैष्णव ने बताया कि फरियादी द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए, अन्यथा उग्र आंदोलन किया जाएगा।फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है, लेकिन इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है।

एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने की जनसुनवाई

ट्रैफिक व्यवस्था और लंबित मामलों के निस्तारण पर दिए निर्देश

स्मार्ट हलचल |सवाई माधोपुर

ज्येष्ठा मैत्रेयी ने कोतवाली थाना परिसर में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित कर आमजन की समस्याएं सुनीं। कार्यक्रम में कोतवाली, मानटाउन और कुंडेरा थाना क्षेत्रों के फरियादियों ने अपनी समस्याएं एसपी के समक्ष रखीं, जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। एसपी मैत्रेयी ने बताया कि जनसुनवाई का उद्देश्य पुलिस और आमजन के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना है। उन्होंने नए कानूनों के तहत लंबित मामलों के निस्तारण के लिए निर्धारित 60 और 90 दिन की समय सीमा का सख्ती से पालन करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में रणथंभौर क्षेत्र की ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाने, रणथंभौर रोड को ट्रैफिक जाम मुक्त रखने और बेहतर ट्रैफिक रेगुलेशन पर भी चर्चा की गई। साथ ही ऑनलाइन फ्रॉड से जुड़ी शिकायतों के लिए 1930 पोर्टल पर प्राप्त मामलों की समीक्षा कर गलत तरीके से फ्रीज हुए खातों को खुलवाने के निर्देश दिए गए।

कोटा के महावीर सिंह हाड़ा बने इंटरनेशनल बॉक्सिंग रेफरी, पहले प्रयास में ही रचा इतिहास

स्मार्ट हलचल |कोटा

राजस्थान के खेल जगत के लिए गर्व का क्षण तब सामने आया जब कोटा के बॉक्सिंग कोच महावीर सिंह हाड़ा ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए इंटरनेशनल रेफरी का दर्जा प्राप्त किया।

International Bo&ing Association (IBA) द्वारा आंध्र प्रदेश में 18 से 22 मार्च 2026 तक आयोजित इंटरनेशनल रेफरी एवं जज परीक्षा में महावीर सिंह हाड़ा ने अपने पहले ही प्रयास में सफलता हासिल कर इतिहास रच दिया।

यह उपलब्धि न केवल कोटा बल्कि पूरे राजस्थान और भारत के लिए गर्व का विषय बन गई है। उनकी इस सफलता से बॉक्सिंग जगत में खुशी की लहर दौड़ गई है और खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल है।

महावीर सिंह हाड़ा ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के आशीर्वाद और बॉक्सिंग परिवार के सहयोग को दिया। उन्होंने विशेष रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश मिश्रा, महासचिव राकेश ठाकरान, उपाध्यक्ष दीपेन्द्र सिंह चौहान तथा राजस्थान महासचिव डॉ. हेमराज सिंह चौधरी का आभार व्यक्त किया।विशेषज्ञों का मानना है कि इस उपलब्धि से राजस्थान में बॉक्सिंग को नई दिशा मिलेगी और युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। यह सफलता न सिर्फ एक व्यक्ति की जीत है, बल्कि पूरे भारतीय बॉक्सिंग परिवार के लिए एक प्रेरणादायक उपलब्धि है।

अग्निकांड पीड़ित परिवार को भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट ने दी राहत सामग्री

स्मार्ट हलचल | खखरेरू/ फतेहपुर

थाना क्षेत्र के बसवा गांव में 22 अप्रैल को चूल्हे से निकली चिंगारी से शीतला प्रसाद के घर में भीषण आग लग गई थी। आग की इस घटना में पीड़ित परिवार का पूरा घर तथा घर में रखी खाद्य सामग्री जलकर राख हो गई, जिससे परिवार के सामने भोजन तक का संकट खड़ा हो गया।

घटना की जानकारी मिलने पर भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) के तहसील अध्यक्ष सर्वेश कुमार ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर राहत सामग्री प्रदान की। सहायता के रूप में 25 किलो आटा, 30 किलो गेहूं, 15 किलो चावल, 5 किलो दाल, 5 लीटर रिफाइंड तेल, 5 किलो चीनी, चाय पत्ती सहित आर्थिक सहयोग दिया गया।

इस दौरान तहसील अध्यक्ष ने बताया कि पीड़ित परिवार दलित वर्ग से होने के बावजूद अब तक सरकारी आवास से वंचित है। इस संबंध में उन्होंने खंड विकास अधिकारी धाता से वार्ता की। खंड विकास अधिकारी ने आश्वासन दिया कि लेखपाल की रिपोर्ट के आधार पर पीड़ित परिवार को शीघ्र ही आवास सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

वहीं, खाद्यान्न की समस्या को देखते हुए सप्लाई इंस्पेक्टर खागा से भी संपर्क किया गया। उन्होंने कोटेदारों के माध्यम से परिवार को राशन उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया।

किसान यूनियन की ओर से मिली सहायता से परिवार को तत्काल राहत मिली है। हालांकि घटना के चार दिन बाद भी सरकारी स्तर पर कोई प्रत्यक्ष मदद नहीं मिलने से ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है।

इस अवसर पर कुलदीप तिवारी, सर्वेश शुक्ला,मो. रिजवान, असगर अली, वीरेंद्र विश्वकर्मा, मो. अंसार सहित कई किसान नेता और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए बालिकाओं को बताया एचपीवी टीके का महत्व

बाजार में 5 हजार का है टीका, चिकित्सा विभाग दे रहा निशुल्क; एनीमिया और लू से बचाव की भी दी जानकारी

स्मार्ट हलचल|चित्तौड़गढ़

जिला कलेक्टर डॉ. मंजू के निर्देशानुसार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं को निशुल्क एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीका लगाया जा रहा है। प्रथम चरण में 14 से 15 वर्ष तक की बालिकाओं को चिह्नित कर टीकाकरण किया जा रहा है। इसी अभियान के तहत सेंट्रल एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बालिकाओं के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

5000 रुपये कीमत की वैक्सीन मिल रही मुफ्त:

कार्यक्रम में जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रियंका वर्मा ने बालिकाओं को बताया कि महिलाओं में होने वाले जानलेवा सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह वैक्सीन बाजार में करीब 5000 रुपये की लागत से मिलती है, जबकि राज्य सरकार और चिकित्सा विभाग द्वारा यह बालिकाओं को बिल्कुल मुफ्त लगाई जा रही है। इसके साथ ही बालिकाओं को लू और तापघात से बचाव के भी उपाय बताए गए।

एनीमिया से बचाव के लिए गुड़-चना खाएं:

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के सांख्यिकी अधिकारी विनोद कुमार गन्ना ने बालिकाओं को एनीमिया (खून की कमी) के प्रति जागरूक किया। उन्होंने चिकित्सक के परामर्श से आयरन की गोलियों का नियमित सेवन करने और आहार में फलों के साथ गुड़ व चने को शामिल करने की सलाह दी। उन्होंने अपील की कि बालिकाएं आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को निकटतम जिला चिकित्सालय, उप जिला चिकित्सालय या सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर एचपीवी टीकाकरण अवश्य करवाएं।

स्वस्थ बालिका सशक्त समाज की आधारशिला:

विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. परेश कुमार नागर ने कहा, 'स्वस्थ बालिका ही सशक्त समाज की आधारशिला है, और एचपीवी टीकाकरण उनके सुरक्षित एवं उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।' कार्यक्रम में चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर्यन, चिकित्सा सहयोगिनी मीना बारेठ व विमला बेरवाल ने भी आवश्यक जानकारी साझा की।

इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ से शांति सक्सेना, रेणुका गगरानी, जुबली चतुर्वेदी, डॉ. मनीषा दाधीच, संगीता मेहता, वर्षा सोनी, नीलू धाकड़, ममता मेनारिया, प्रियंका जैन, दिव्या शर्मा, सपना वर्मा, निधि वर्मा, पूजा मेहता, सीमा माहेश्वरी, सिम्मी मौर्य एवं मिति गोस्वामी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अशोक गहलोत का भाजपा पर तीखा प्रहार: 'डेमोक्रेसी की हत्या कर रही सरकार, वाशिंग मशीन से धुल रहे नेताओं के दाग'

विधानसभा और सीएम को धमकियां मिल रही हैं, लेकिन सरकार के हाथ खाली; भजनलाल चाहते हैं मैं पायलट का नाम लूं ताकि हमारी लड़ाई हो

स्मार्ट हलचल

टोंक / जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने शनिवार को जयपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से मुखातिब होते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसदों के भाजपा में शामिल होने, पश्चिम बंगाल चुनाव, राजस्थान में बिगड़ती कानून व्यवस्था और कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति सहित विभिन्न मुद्दों पर गहलोत ने बेबाकी से अपनी राय रखी।

'एजेंसियां काबू में, भाजपा ने लगा रखी है वाशिंग मशीन'

आप सांसदों के भाजपा में विलय के सवाल पर गहलोत ने कहा कि भाजपा अपनी हरकतों से बाज नहीं आएगी। पूरा देश देख रहा है कि ये लगातार डेमोक्रेसी (लोकतंत्र) की हत्या कर रहे हैं। सभी केंद्रीय एजेंसियां इनके काबू में हैं। मित्तल हों या राघव चड्ढा, सबको शराब घोटाले के नाम पर तंग किया गया। गहलोत ने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा ने एक 'वाशिंग मशीन' लगा रखी है, जिसमें जाते ही सब बिल्कुल ठीक हो जाते हैं और उनके खिलाफ कोई केस नहीं रहता। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी विधायकों की खरीद-फरोख्त (हॉर्स ट्रेडिंग) में कोई कमी नहीं छोड़ी।

'भजनलाल चाहते हैं मैं पायलट का नाम लूं और हमारी लड़ाई हो'

राजस्थान की राजनीति और मानेसर प्रकरण पर बोलते हुए गहलोत ने कहा, 'मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और मदन राठौड़ बार-बार हमारे ऊपर बोलते हैं। वो चाहते हैं कि मैं सचिन पायलट का नाम लूं कि लोग मानेसर गए थे। वो चाहते हैं कि मैं नाम लूं और हमारी लड़ाई शुरू हो जाए।' गहलोत ने भाजपा को घेरते हुए कहा, 'मैं इनको दोष देता हूं, तुमने कितने लोगों के साथ हॉर्स ट्रेडिंग की? भाजपा के कुकृत्यों के कारण ही हमें 34 दिन तक होटल में रहना पड़ा था। हम तो एकजुट हैं।'

कानून व्यवस्था पर सवाल: 'राज नाम की चीज है क्या?'

राजस्थान विधानसभा, हाईकोर्ट और खुद मुख्यमंत्री को मिल रही बम से उड़ाने की धमकियों पर चिंता जताते हुए पूर्व सीएम ने मौजूदा राज्य सरकार के इकबाल पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री किसी एक पार्टी के नहीं, हम सबके हैं। खुद सीएम, हाईकोर्ट, कलेक्ट्रेट और अब दूसरी बार विधानसभा को धमकी मिल चुकी है, लेकिन 6 महीने में आरोपी पकड़े नहीं गए। आज के हाईटेक जमाने में भी इनका न पकड़ा जाना समझ से परे है। क्या राजस्थान में शासन या राज नाम की कोई चीज बची है?'

पश्चिम बंगाल चुनाव और मेवाड़-मारवाड़ पर फोकस

पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड वोटिंग पर गहलोत ने कहा कि हाईकोर्ट खुद चुनाव आयोग को फटकार लगा रहा है। 4 तारीख को नतीजे बताएंगे कि रिकॉर्ड वोटिंग किन कारणों से हुई है। वहीं, नेता प्रतिपक्ष और पीसीसी चीफ द्वारा मेवाड़ पर फोकस किए जाने के सवाल पर उन्होंने स्वीकार किया कि मेवाड़ के साथ-साथ मारवाड़ में भी कांग्रेस कमजोर हुई है। इसलिए पूरे राजस्थान के साथ-साथ इन कमजोर क्षेत्रों (वीक पॉइंट्स) पर विशेष फोकस किया जा रहा है, जो कि पार्टी के लिए अच्छा है।

जिला परिषद की साधारण सभा में जनहित के मुद्दों पर हुई विस्तृत चर्चा

स्मार्ट हलचल

विराटनगर(जयपुर)। जिला परिषद की साधारण सभा की बैठक में स्थानीय विधायक मनीष यादव ने भाग लेकर क्षेत्र से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।बैठक में सड़क,जल,चिकित्सा, शिक्षा एवं अन्य जनहित के विषयों पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया।

क्षेत्र से गुजरने वाली सड़क एमएच-48 से एसएच-37सी मार्ग (वाया परमानंद, रडावास) तथा देवन से तिगरिया जो कई स्थानों पर अधूरा है, उसे शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही कुम्भावास से निठारा मिसिंग लिंक,जिसका कुछ हिस्सा जो वन विभाग के अधीन होने के कारण लंबित है, उसके त्वरित निस्तारण के लिए भी निर्देशित किया गया।क्षेत्र की वे सड़कें जो गारंटी पीरियड में हैं एवं क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, उनके मरम्मत प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके अतिरिक्त गोविंदगढ़ पंचायत समिति के अधीन आने वाले 11 गावो की लगभग 60 करोड़ रुपये की छ्छ्छ्रूयोजनाओं के वर्क ऑर्डर जारी करने के निर्देश दिए गए। शाहपुरा ब्लॉक की कोर्ट स्टे से प्रभावित योजनाओ की प्रभावी पैरवी के भी निर्देश दिये।गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए पेयजल की समस्या से निपटने के लिए योजना बनाकर टैंकर व्यवस्था प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि क्षेत्र के विकास कार्यों में किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण किए जाएं।

कानस के नौनिहाल पूछ रहे - हमें कब मिलेगी राहत?

जयपुर में कलेक्टर ने बदला स्कूल समय

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/ अजमेर। भीषण गर्मी और लू को देखते हुए जयपुर जिला कलेक्टर संदेश नायक ने 27 अप्रैल से स्कूलों का समय बदल दिया है। आदेश के मुताबिक प्री-प्राइमरी से 8वीं तक की क्लास सुबह 7:30 से दोपहर 12 बजे तक ही लगेंगी। यह आदेश सरकारी और निजी सभी स्कूलों पर लागू होगा।

लेकिन बड़ा सवाल कानस का है...

अजमेर जिले में पुष्कर के निकट राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कानस में पहली से 5वीं तक के मासूम अभी भी दोपहर 12 से शाम 6 बजे तक की भट्टी झेल रहे हैं। एक तरफ सरकार की एडवाइजरी है कि 12 से 4 बजे तक लू के कारण घर से बाहर न निकलें, दूसरी तरफ कमरों के अभाव में दो शिफ्ट चलाने के नाम पर नौनिहालों को तपती दोपहर में बुलाया जा रहा है। 6 से 12वीं को सुबह 7-12 की ठंडी पारी मिली, लेकिन छोटों को आसमान से बरसती आग में झोंक दिया

अभिभावक पूछ रहे हैं -

'जयपुर में तो समय बदल गया, अजमेर कलेक्टर हमारे बच्चों को कब राहत पहुंचाएंगे?जयपुर कलेक्टर ने साफ किया है कि अवहेलना पर आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत कार्रवाई होगी।

भीषण आग में जिंदा जला व्यापारी, बेटे बहू नाती और भतीजी गंभीर

स्मार्ट हलचल

कानपुर। आज शनिवार दोपहर यहां भीषण आग लगने से एक व्यापारी जिंदा जल गया ,जबकि गंभीर रूप से घायल उसके बेटे, बहु ,नाती0और भतीजी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भीषण अग्निकांड की यह घटना घाटमपुर में पुराना डाकखाना रोड स्थित एक मार्केट में हुई। इस हादसे में एक व्यापारी की जिंदा जलकर मौत हो गई। जबकि, उनके बेटे, बहू, नाती और भतीजी झुलस गए। झुलसे लोगों को घाटमपुर सीएचसी से कानपुर रेफर किया गया। दमकल के साथ ही पावर प्लांट की सीआईएसएफ की गाड़ियों को इस आग पर काबू पाने में घंटा लग गए।

प्राप्त विवरण के अनुसार पुराना डाकखाना रोड पर 75 वर्षीय रामकिशन गुप्ता उनके भाई सत्यनारायण और राज्जनलाल अपने परिवारों के साथ रहते हैं। घर के नीचे खुद की मार्केट है, जिसमें तीनों भाइयों की कपड़े और किराना की दुकानें हैं। बताया गया कि रामकिशन की लक्ष्मी वस्त्र भंडार नाम से कपड़े की दुकान में शनिवार भोरपहर आग लगी। धुआं उठता देख रामकिशन नीचे उतर कर आए। दुकान का शटर उठाकर देखा तो लपटे और धुआं से घर भर गया। वह शोर मचाते हुए ऊपर की ओर भागे। इस दौरान घर के अन्य सदस्य भी जग गए। इस बीच देखते ही देखते लपटें तेज हो गईं और सभी जान बचाने के लिए छत से चढ़कर दूसरे के घरों से होते हुए निकले। लेकिन, इस दौरान रामकिशन का पता नहीं चला। इसके बाद दमकल को सूचना दी गई। आसपड़ोस के लोगों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की। दमकल जब तक आ पाती आग पूरी तरह से भड़क चुकी थी और पूरे घर को चपेट में ले लिया था। तीन घंटे बाद रामकिशन का शव निकाला गया।

पुलिसके अनुसार आग जिस समय लगी घर पर तीनों परिवारों के 14 लोग मौजूद थे। रामकिशन के घर पर उनकी पत्नी गोमती, बेटा हरिओम और बहू और दो नाती थे। सत्यनारायण के घर पर पत्नी और एक बेटी व दो बेटे थे। राज्जनलाल के घर पर पत्नी और दो बच्चे थे। आग से रामकिशन का बेटा हरिओम, बहू श्रेया, चार माह का पौत्र शिवार्थ और सत्यनारायण की बेटी आयुषी झुलस गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पशु चारे की आड़ में चल रहा था 10 करोड़ का ऑनलाइन सट्टा

नागौर पुलिस ने रेड्डी अन्ना बुक की ब्रांच का किया भंडाफोड़, 3 आरोपी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

जिले में अवैध साइबर नेटवर्क और सट्टेबाजी के खिलाफ नागौर पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी स्ट्राइक की है। एसपी रोशन मीणा के नेतृत्व में जिला स्पेशल टीम और थांवला पुलिस ने संयुक्त रूप से 'ऑपरेशन म्यूल हंटर' के तहत छापेमारी कर 8 से 10 करोड़ रुपये के ऑनलाइन सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। शातिर अपराधी पशु चारा बेचने की आड़ में किला रोड स्थित एक फार्म हाउस से 'रेड्डी अन्ना' ऑनलाइन गेमिंग बुक की ब्रांच चला रहे थे। तरीका: आरोपी पशु चारा बेचने की आड़ में 'रेड्डी अन्ना' नाम की ऑनलाइन गेमिंग बुक की ब्रांच चला रहे थे। वे फर्जी सिम और बैंक खातों के जरिए लोगों को लालच देकर सट्टा खिलाते थे।

बरामदगी:113 मोबाइल फोन और 2 लैपटॉप। 19 एटीएम कार्ड, पासबुक और चेकबुक। 3.87 करोड़ रुपये के लेन-देन का हिसाब वाली डायरी। नेटवर्क: आरोपी अलग-अलग राज्यों से किराए पर बैंक खाते और सिम कार्ड मंगवाकर इस गोरखधंधे को अंजाम दे रहे थे।

यह थांवला पुलिस और स्पेशल टीम की एक बड़ी सफलता मानी जा रही है। एसपी रोशन मीणा ने बताया कि जिले में अवैध साइबर गतिविधियों और म्यूल अकाउंट्स (किराए के बैंक खाते) के खिलाफ 'ऑपरेशन म्यूल हंटर' जारी है। इस सफलता में डीएसटी नागौर और थांवला थाना पुलिस की विशेष भूमिका रही। पुलिस अब इस नेटवर्क के मास्टरमाइंड और अन्य राज्यों से जुड़े इसके संपर्कों की तलाश कर रही है।

भीषण गर्मी और लू का कहर, छोटे स्कूली बच्चों पर सबसे ज्यादा असर

समय परिवर्तन की मांग तेज, नागौर में आदेश का इंतजार

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। राजस्थान में इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। तापमान लगातार बढ़ने के कारण लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। खासतौर पर सुबह 11 बजे के बाद हालात और भी गंभीर हो जाते हैं, जब तेज धूप और गर्म हवाएं लोगों को झुलसा देती हैं।

इस भीषण गर्मी का सबसे ज्यादा असर नागौर जिले में स्कूली छोटे बच्चों पर देखने को मिल रहा है। जिला मुख्यालय सहित जिले के सभी शहरों व ग्रामीण क्षेत्रों में दोपहर के समय स्कूल से लौटते वक्त बच्चे लू और तेज धूप की चपेट में आ रहे हैं, जिससे उनकी सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बढ़ गई है। अभिभावकों में इस स्थिति को लेकर चिंता साफ नजर आ रही है। प्रदेश के कई जिलों के जिला कलेक्टरों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्कूलों के समय में बदलाव कर दिया है। नए आदेशों के तहत स्कूलों का समय सुबह जल्दी कर दिया गया है, ताकि बच्चों को दोपहर की भीषण गर्मी से बचाया जा सके।हालांकि, नागौर जिले में अभी तक स्कूल समय परिवर्तन को लेकर जिला कलेक्टर द्वारा कोई आधिकारिक आदेश जारी नहीं किया गया है। इससे अभिभावकों और स्थानीय लोगों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। वे लगातार प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द स्कूलों के समय में बदलाव किया जाए। अभिभावकों का कहना है कि वर्तमान परिस्थितियों में बच्चों को दोपहर की तेज गर्मी में स्कूल भेजना जोखिम भरा है। उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि अन्य जिलों की तरह नागौर में भी तुरंत प्रभाव से स्कूलों का समय सुबह किया जाए, ताकि बच्चों को लू और गर्मी से बचाया जा सके। वर्तमान में स्कूल का समय सुबह 7:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक निर्धारित है, जिसे बदलकर सुबह 7:30 बजे से 11:00 बजे तक किया जाना चाहिए। इससे कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा आठ तक के छोटे विद्यार्थियों को काफी राहत मिल सकेगी और वे भीषण गर्मी के प्रकोप से सुरक्षित रह पाएंगे।

अब सभी की नजरें नागौर जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि वह कब इस गंभीर मुद्दे पर फैसला लेकर अभिभावकों और बच्चों को राहत प्रदान करेगा।

हज यात्रा पर जा रहे अब्दुल रहुफ अंसारी का स्वागत

स्मार्ट हलचल | सुनेल

मक्का-मदीना हज यात्रा पर रवाना होने से पूर्व अब्दुल रहुफ अंसारी का नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा इमामबाड़ा में फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान सभी ने उनकी सुखद एवं सफल यात्रा की कामना की। कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष शोभाराम गुर्जर सहित राजेश मंडलोई, तेज सिंह सिसोदिया, कल्लू पठान, शेख मुश्ताक (मामू), मुकेश गुर्जर, बाबूलाल मेघवाल, मनीष राठौर, कैलाश गुर्जर, विशाल धाभाई, इकबाल अंसारी, जाफर अंसारी, साकिर हुसैन अंसारी, वाहिद पठान, रईस मिस्त्री, मोइनुद्दीन अंसारी, आबिद पठान, कादिर हुसैन, बाबू भाई, मुदस्सिर अंसारी, आकिब अंसारी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

ई-रिक्शा की टक्कर से किशोर गंभीर, बहन के दहेज की बाइक लेकर जा रहा था घर

स्मार्ट हलचल | खखरेरू/फतेहपुर

थाना क्षेत्र के तक्कीपुर गांव के पास बुधवार को हुए सड़क हादसे में 17 वर्षीय किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान कुलदीप पासवान (पुत्र भोलाई) निवासी तक्कीपुर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार कुलदीप अपनी बहन को दहेज में देने के लिए खरीदी गई बाइक लेकर घर लौट रहा था। इसी दौरान तक्कीपुर के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ई-रिक्शा ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने तत्काल घायल को रक्षपालपुर स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि किशोर के सिर और सीने में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, जबकि ई-रिक्शा चालक मौके से फरार बताया जा रहा है।

ईंट भट्ठे से स्टार्टर चोरी करते दो आरोपी रंगे हाथ पकड़े गए, पुलिस ने भेजा जेल

स्मार्ट हलचल |खखरेरू/फतेहपुर

थाना क्षेत्र के जहांगीर नगर गहुरा स्थित न्यू टारसन ब्रिक फील्ड भट्ठे पर बीती रात चोरी की कोशिश को भट्ठा मालिक की सतर्कता से नाकाम कर दिया गया। मौके से दो आरोपियों को रंगे हाथ पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया।

भट्ठा मालिक इस्तेखारुल हसन पुत्र स्व. बदल अहमद ने बताया कि 24 अप्रैल की भोर करीब चार बजे भट्ठे पर लगे ट्यूबवेल का बिजली स्टार्टर चोरी हो गया। चोरी का पता चलते ही आसपास तलाश की गई। कुछ दूरी पर पथाई के लिए रखी ईंटों के पीछे दो युवक स्टार्टर जलाकर उसमें से तांबा निकालते मिले।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान पवन कुमार पुत्र स्व. सुख्खा और छंगू पुत्र हरिपाल निवासी घटमापुर, थाना मोहब्बतपुर पइंसा, जनपद कौशांबी के रूप में हुई। भट्ठा मालिक ने दोनों को मौके पर पकड़कर डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों आरोपियों को चोरी के सामान सहित थाने ले गई। थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय भेज दिया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

जेसीआई अलुमनी क्लब ज़ोन 5 का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

कोटा, जोधपुर और जयपुर में एक साथ नए नेतृत्व ने संभाली कमान,जेसीआई अलुमनी ज़ोन 5 का इंस्टॉलेशन संपन्न

स्मार्ट हलचल| कोटा

शहर के प्रतिष्ठित होटल में जेसीआई अलुमनी क्लब ज़ोन 5 का भव्य शपथ ग्रहण एवं इंस्टॉलेशन समारोह संपन्न हुआ। एकता, नेतृत्व और नवसंकल्पों के त्रिवेणी संगम से सजे इस आयोजन में नई कार्यकारिणी ने संगठन की कमान संभाली। शपथ ग्रहण में कोटा रीजन सहित जोधपुर और जयपुर के पदाधिकारियों ने भी पद एवं सेवा की शपथ ली।

समारोह में कोटा चेप्टर के प्रियंक माहेश्वरी ने ज़ोन चेयरमैन, गौरव आगेश्वर ने सेक्रेटरी तथा गौरव गुप्ता ने ट्रेज़रर पद की शपथ ग्रहण कर अपने दायित्वों का विधिवत रूप से वहन किया। कोटा रीजन की नई टीम में गार्गी चौहान ने चेयरमैन, विरल कोठारी ने सेक्रेटरी तथा अनूप जैन ने ट्रेज़रर के रूप में शपथ लेकर क्षेत्रीय नेतृत्व की बागडोर अपने हाथों में ली। वहीं समारोह में कोटा रीजन के अतिरिक्त दो और रीजनल चेयरमैन का भी इंस्टॉलेशन हुआ। जोधपुर से अजित सिंह शेखावत एवं जयपुर से बसंत जैन ने रीजनल चेयरमैन पद की शपथ ग्रहण कर अपने-अपने क्षेत्रों की नेतृत्व जिम्मेदारी संभाली। समस्त कार्यकारणी एक वर्ष तक कार्य करेगी।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर राष्ट्रीय चेयरमैन नरेन करिअप्पा एवं ज़ोन प्रेसिडेंट बी. के. दाद की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में भाजपा शहर जिलाध्यक्ष राकेश जैन, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अंशु सर्राफ, गौरव माहेश्वरी, योगेश चंडक, नितेश सेठिया, रवि अग्रवाल, अनीश माहेश्वरी, विभोर लोढ़ा, राजकुमार जैन, मीता अग्रवाल, मनीष चंडक एवं पीयूष खंडेलवाल सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी और गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। आयोजन की सफलता में विभोर एवं दीपिका लोढ़ा, महावीर एवं रेखा चोरड़िया, निखिल एवं नेहा जैन, मनीष एवं स्मिता पाटनी, दिनेश एवं योगिता चौहान, नवीन एवं दीपिका जैन, पीयूष एवं मोनिका विजय, विकास एवं शालिनी मोहता, विरल एवं रुपल कोठारी, शैलेंद्र एवं स्वाति मंगल तथा अनूप एवं अमिता जैन की समर्पित परियोजना टीम के उत्कृष्ट समन्वय की सराहना की गई। कार्यक्रम में जयपुर, जोधपुर एवं चित्तौड़गढ़ सदस्य शामिल हुए।

33 केवी ग्रिड सब स्टेशन स्वीकृत

चित्तौड़गढ़। विधायक चंद्रभान सिंह आक्या की अनुशंसा पर अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा चंदेरिया रिको क्षेत्र में 2.25 करोड़ की लागत से 33/11 किलो वॉट ग्रिड सब स्टेशन निर्माण की स्वीकृति जारी की गई है।

रिको औद्योगिक क्षेत्र चन्देरिया में मार्बल व्यावसायियों द्वारा निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति हेतु 33 केवी जीएसएस निर्माण किये जाने की लम्बे समय से मांग की जा रही थी। इस संबंध में मार्बल व्यवसायियों द्वारा विधायक आक्या को ज्ञापन दिये जाने पर उनके द्वारा ऊर्जा मंत्री हिरालाल नागर को पत्र लिख ग्रिड सब स्टेशन के अभाव में मार्बल व्यवसायियों को हो रही परेशानियों की ओर ध्यान दिलाते हुए चंदेरिया रिको क्षेत्र में 33 केवी ग्रिड सब स्टेशन निर्माण की स्वीकृति जारी किये जाने की मांग की।

सुरक्षित जीवन की दिशा में: मलेरिया मुक्त भविष्य का संकल्प

सुनील कुमार महला

मलेरिया को आज भी एक सामान्य रोग समझ लिया जाता है, किंतु यह आज भी विश्व की सबसे गंभीर जनस्वास्थ्य समस्याओं में से एक है और हर वर्ष लाखों लोगों की मृत्यु का कारण बनता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि यह वायरस से नहीं बल्कि प्लाज्मोडियम नामक परजीवी से फैलता है, जो संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से मनुष्य के शरीर में पहुँचता है।

प्रतिवर्ष 25 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य मलेरिया जैसी जानलेवा, घातक और व्यापक संक्रामक बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना, इसके रोकथाम के उपायों को प्रोत्साहित करना, समय पर जाँच एवं उपचार की व्यवस्था पर बल देना तथा वैश्विक स्तर पर इसके उन्मूलन के प्रयासों को गति देना है।

मलेरिया को आज भी एक सामान्य रोग समझ लिया जाता है, किंतु यह आज भी विश्व की सबसे गंभीर जनस्वास्थ्य समस्याओं में से एक है और हर वर्ष लाखों लोगों की मृत्यु का कारण बनता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि यह वायरस से नहीं बल्कि प्लाज्मोडियम नामक परजीवी से फैलता है, जो संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से मनुष्य के शरीर में पहुँचता है।पाठक जानते होंगे कि हर मच्छर मलेरिया नहीं फैलाता।मलेरिया शब्द की यदि हम यहां पर बात करें तो यह शब्द इतालवी(इटली) भाषा के माला एरिया से बना है, जिसका अर्थ खराब हवा होता है, क्योंकि प्राचीन काल में लोग मानते थे कि यह बीमारी गंदी या दूषित हवा से फैलती है, जबकि बाद में विज्ञान ने सिद्ध किया कि इसका वास्तविक कारण मच्छर हैं।

पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि मलेरिया कोई नया नहीं बल्कि, यह एक अत्यंत प्राचीन रोग है, जिसका उल्लेख प्राचीन मिस्र, भारत तथा चीन के प्राचीन ग्रंथों में भी मिलता है। संक्रमित मच्छर के काटने पर प्लाज्मोडियम परजीवी रक्त में प्रवेश कर लाल रक्त कोशिकाओं में बहुगुणित होने लगता है, जिससे रक्तहीनता (एनीमिया), कमजोरी और अन्य जटिलताएँ उत्पन्न होती हैं। बहरहाल, इसके प्रमुख लक्षणों की यदि हम यहां पर बात करें तो इसके प्रमुख लक्षणों में क्रमशः तेज बुखार, ठंड लगना, कंपकंपी, सिरदर्द, मतली, उल्टी, अत्यधिक पसीना आना, चक्कर आना, साँस फूलना, तेज नाड़ी, थकान, कमजोरी तथा जुकाम जैसी अनुभूति शामिल हैं। गंभीर अवस्था में रोगी मूर्च्छा तक में जा सकता है और व्यक्ति की मृत्यु तक भी हो सकती है। कुछ लोगों में इसके लक्षण देर से प्रकट होते हैं, किंतु छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और कमजोर प्रतिरक्षा वाले व्यक्तियों में यह शीघ्र और अधिक घातक रूप ले सकता है। रोगी के ठीक होने के बाद भी यह रोग पुनः हो सकता है। वर्षा ऋतु में या वर्षा के बाद जब घरों, गलियों और आसपास के क्षेत्रों में पानी जमा हो जाता है, तब मच्छरों का प्रजनन तेजी से होता है और संक्रमण का प्रसार बढ़ जाता है। यही कारण है कि स्वच्छता और जलभराव रोकना मलेरिया नियंत्रण का अत्यंत महत्त्वपूर्ण उपाय माना जाता है। यह रोग मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया, अमेरिका तथा अन्य उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है, क्योंकि वहाँ की जलवायु मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल होती है। मलेरिया गरीब क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है, क्योंकि वहाँ स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं, सुरक्षित आवास और रोकथाम के संसाधनों की कमी होती है।

बहरहाल, यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि वर्ष 2007 में विश्व स्वास्थ्य सभा के 60वें सत्र में इसे मनाने का निर्णय लिया गया था और पहला आधिकारिक विश्व मलेरिया दिवस 25 अप्रैल 2008 को मनाया गया था।हर साल इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और वर्ष 2025 की थीम-मलेरिया का अंत हमसे होगाः पुनर्निवेश करें, नए तरीके सोचें और प्रयासों को फिर से प्रज्वलित करें। रखी गई थी ,जिसका मतलब है कि मलेरिया का अंत हमारे अपने प्रयासों से ही संभव है। सरल शब्दों में कहें तो मलेरिया नियंत्रण और अनुसंधान में फिर से अधिक संसाधन, धन और ध्यान लगाना होगा,इस पर नियंत्रण के लिए हमें नए सिरे से सोचना होगा। हमें पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ नए, प्रभावी और आधुनिक उपाय अपनाने होंगे तथा मलेरिया उन्मूलन के वैश्विक प्रयासों में नई ऊर्जा और उत्साह पैदा करना होगा। वहीं इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में इसकी थीम-मलेरिया समाप्त करने के लिए प्रेरितः अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा। रखी गई है। वास्तव में इसका सीधा सा संदेश यह है कि अवसर और साधन मौजूद हैं, इसलिए अब देरी नहीं, बल्कि निर्णायक कार्रवाई का समय है।

हाल फिलहाल, यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो वैश्विक स्तर पर मलेरिया के मामले लगभग 28.2 करोड़ तक पहुँच चुके हैं और लगभग 6.10 लाख लोगों की मृत्यु हुई है, जिनमें अधिकांश पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चे हैं। पूर्व की विश्व मलेरिया रिपोर्टों में यह तथ्य भी सामने आया कि कुछ वर्षों में हर 50 सेकंड में एक व्यक्ति की मृत्यु मलेरिया के कारण हो रही थी। वर्ष 2020 में विश्व स्तर पर 6,27,000 लोगों की मृत्यु मलेरिया के कारण दर्ज की गई थी, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक थी।इन सभी के बीच राहत की बात यह है कि दुनिया के 47 देश मलेरिया मुक्त घोषित किए जा चुके हैं और चीन को भी मलेरिया मुक्त देश का दर्जा प्राप्त हुआ है। वहीं पर, भारत की स्थिति पिछले वर्षों में उत्साहजनक रही है। देश ने एक दशक में मलेरिया मामलों में लगभग 80 प्रतिशत कमी दर्ज की है,यह काबिले-तारीफ है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत सरकार ने 2027 तक मलेरिया मुक्त भारत और 2030 तक पूर्ण उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। अतीत में ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ पश्चिम बंगाल और पंजाब जैसे राज्य मलेरिया से अधिक प्रभावित रहे, विशेषकर दूरस्थ ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरूआत में भारत की लगभग एक चौथाई आबादी मलेरिया से प्रभावित बताई जाती है। 1935 के एक सर्वेक्षण के अनुसार भारत को मलेरिया के कारण प्रतिवर्ष भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था। भारत सरकार ने 1953 में राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम आरंभ किया, जो अत्यंत सफल रहा, और 1958 में राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। निरंतर सरकारी प्रयासों, चिकित्सा सेवाओं, दवाओं और जागरूकता अभियानों से रोगियों की संख्या में भारी कमी आई, किंतु अभी भी पूर्ण सफलता शेष है। मलेरिया से बचाव के लिए मच्छरदानी का उपयोग, घर के आसपास पानी जमा न होने देना, जल टंकियों को ढककर रखना, खड़े पानी को सुखाना या बहाना, पानी की सतह पर तेल डालना जिससे लार्वा साँस न ले सके, नियमित साफ-सफाई, पूरी बाँह के कपड़े पहनना, समय पर जाँच, डॉक्टर की सलाह से दवा लेना तथा कीटनाशकों का छिड़काव करना अत्यंत आवश्यक है।

बहुत कम लोग ही यह बात जानते होंगे कि सेनाओं और सुरक्षा बलों में मलेरिया रोकथाम पर विशेष ध्यान दिया जाता है, क्योंकि उनकी तैनाती प्रायः जंगलों, सीमावर्ती क्षेत्रों और मच्छर-बहुल स्थानों पर होती है, इसलिए मच्छरदानी का उपयोग वहाँ अनिवार्य माना जाता है। मलेरिया का उपचार कुनैन तथा आर्टिमीसिनिन जैसी दवाओं से किया जाता है। कुनैन सिनकोना नामक वृक्ष से प्राप्त होती है। आरटीएस ,एसऔर आर-21 ऐसे टीके हैं जिन्हें विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंजूरी दी है और जिनसे विशेषकर बच्चों की सुरक्षा में सहायता मिली है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि मच्छर नियंत्रण के लिए डीडीटी (डाइक्लोरो-डाइफेनाइल-ट्राइक्लोरोइथेन) कभी अत्यंत प्रभावी हथियार सिद्ध हुआ था। यह पहला आधुनिक कीटनाशक माना जाता है। इसका संश्लेषण 1874 में ऑस्ट्रिया के रसायनज्ञ ओथमार जीडलर ने किया था तथा इसके कीटनाशी गुणों की खोज 1939 में पॉल हरमन मुलर ने की थी, जिन्हें 1948 में नोबेल पुरस्कार मिला। गौरतलब है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सैनिकों और आम जनता को मलेरिया तथा टाइफस से बचाने के लिए इसका व्यापक उपयोग हुआ। बाद में पर्यावरणीय प्रभावों के कारण इसके उपयोग पर नियंत्रण लगाया गया, किंतु कुछ परिस्थितियों में मलेरिया नियंत्रण हेतु सीमित उपयोग को स्वीकृति दी गई। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, बढ़ती गर्मी, मच्छरों में कीटनाशक प्रतिरोधक क्षमता, परजीवियों में दवा प्रतिरोध, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, गरीबी, पर्याप्त कोष का अभाव, सामुदायिक भागीदारी की कमी, समय पर छिड़काव न होना, रोग की पहचान में देरी तथा दूरस्थ क्षेत्रों तक चिकित्सा सुविधा न पहुँच पाना मलेरिया उन्मूलन की बड़ी बाधाएँ हैं। इसलिए आवश्यक है कि जागरूकता अभियान चलाए जाएँ, रेडियो, फिल्म, विद्यालयों और सामाजिक माध्यमों से जानकारी पहुँचाई जाए, गरीबों को स्वास्थ्य संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ, स्वच्छता पर बल दिया जाए और वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाए। अंत में यही कहूंगा कि विश्व मलेरिया दिवस हमें यह संदेश देता है कि यदि सरकार, समाज, चिकित्सा संस्थान और प्रत्येक नागरिक सामूहिक संकल्प के साथ आगे आएँ, तो मलेरिया जैसी बीमारी को हराकर मलेरिया मुक्त भारत और मलेरिया मुक्त विश्व का सपना अवश्य साकार किया जा सकता है।

संपादकीय

जीवनशैली के रोग

निस्संदेह, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ की वह रिपोर्ट राष्ट्रीय चिंता बढ़ाने वाली है कि देश की पचास फीसदी आबादी जीवनशैली से जुड़े रोगों से ग्रस्त-त्रस्त है। यह भी फिक्र बढ़ाने वाला है कि एक दशक पहले देश में खान-पान, जीवन व्यवहार व तनाव से उपजे रोगों का प्रतिशत जहां 31 था, वो अब पचास फीसदी तक जा पहुंचा है। वहीं एक अच्छी बात यह है कि चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार व नये शोध अनुसंधान के चलते संक्रामक रोगों का प्रतिशत घटा है। लेकिन हमारे खानपान व जीवन व्यवहार में तेजी से आ रहे बदलावों के चलते लोग मोटापे, मधुमेह, तनाव व उच्च रक्तचाप जैसे रोगों के शिकार हो रहे हैं, जिसके चलते जानलेवा संकट भी बढ़ रहा है। हमें स्वीकार करना होगा कि आजादी के बाद देश में आम आदमी के जीवन स्तर में किसी न किसी तरह सकारात्मक बदलाव आया है, जिसके चलते जीवनशैली भी बदली है। लेकिन पौष्टिक व शरीर की जरूरतों के अनुकूल भोजन न करने, शारीरिक निष्क्रियता, स्क्रीन टाइम बढ़ने से नींद की कमी आदि अनेक ऐसे कारण हैं जो इन रोगों के वाहक बनते हैं। इसमें आनुवंशिक रोगों की भी भूमिका है। धीरे-धीरे शरीर को खोखला करने वाले ये रोग कालांतर जानलेवा बन जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन भी चिंता जता रहे हैं कि भारत में विभिन्न रोगों से मरने वाले ज्यादातर लोगों की मौत की वजह संक्रामक रोग के बजाय जीवनशैली से जुड़े रोग हैं। जो हमारी गभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि चिकित्सा विज्ञान की आशातीत प्रगति के चलते आम भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इजाफा हुआ है, लेकिन जीवनशैली से जुड़े रोगों का बढ़ना इस कामयाबी पर पानी फेरने जैसा है। यही वजह है कि देश में स्वास्थ्य बीमा कारोबार में तेजी आई है, यह तेजी ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक है। लेकिन ये बीमा कंपनियां रोग से बचाव में मदद करने के बजाय व्यक्ति के रोगों के इलाज को प्राथमिकता देती हैं। हालांकि, देश में जीवनशैली से जुड़े रोगों से बचाव के लिये जागरूकता जरूर आई है। जिसके लिये राजग सरकार को श्रेय देना होगा। प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग का दुनिया में व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ है। यह जागरूकता भारत में भी है। लेकिन बड़ी आबादी अब भी इससे दूर है। प्रधानमंत्री ह्यमन की बातह्न रेडियो कार्यक्रम व अन्य मंचों से मोटापे से बचाव और खानपान में मिलेट अपनाने पर अक्सर बल देते नजर आते हैं। लेकिन इस पर सकारात्मक प्रतिसाद अपेक्षित अनुपात में नहीं मिल पाया है। यही वजह है कि लोगों को महंगा इलाज कराने को बाध्य होना पड़ता है। विडंबना है कि उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसे रोगों से राहत के लिये डॉक्टर जीवनभर दवा खाने को कहते हैं। तमाम लोग निजी अस्पतालों में हृदयरोग आदि के महंगे इलाज से गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। कोरोना संकट के सबक हमें याद रखने चाहिए, जब लोगों ने जेवर, जमीन व मकान तक गिरवी रखकर अपना उपचार कराया। लेकिन यदि लोग शारीरिक सक्रियता बढ़ाएं, योग, ध्यान और व्यायाम को जीवन का हिस्सा बनाएं तो इन रोगों से बच सकते हैं।

चिंतन-मनन

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

पहले अपने स्वरूप को जानों

एक महात्मा से किसी ने पूछा- ईश्वर का स्वरूप क्या है?

महात्मा ने उसी से पूछ दिया-तुम अपना स्वरूप जानते हो?

वह बोला- नहीं जानता।

तब महात्मा ने कहा- अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं-मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं ज्ञान है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा?

अतः अपने यंत्र के विषय में पहले जानना आवश्यक है। हमारा ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा संसार दिखलाता है। हम यह नहीं जानते कि वह दिखाने वाला हमें यह संसार यथावत? ही दिखलाता है या घटा-बढ़ाकर या विकृत करके दिखलाता है। गुलाब को नेत्र कहते हैं- यह गुलाबी है। नासिका कहती है- यह इसमें एक प्रिय सुगंध है। त्वचा कहती है- यह कोमल और शीतल है। चखने पर मालूम पड़ेगा कि इसका स्वाद कैसा है। पूरी बात कोई इंद्री नहीं बतलाती। सब इन्द्रियां मिलकर भी वस्तु के पूरे स्वभाव को नहीं बतला पातीं।

आचार्य महाश्रमण की निर्गुण-चेतना से विश्व-शांति की नई दिशा

ललित गर्ग

मानव इतिहास के इस अशांत और संक्रमणकालीन दौर में जब विश्व का परिदृश्य युद्ध, हिंसा, आतंकवाद और वैचारिक टकरावों से आच्छादित है, तब शांति, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों की पुकार पहले से कहीं अधिक तीव्र हो उठी है। ऐसे समय में आचार्य महाश्रमण एक ऐसे आध्यात्मिक प्रकाशस्तंभ के रूप में उभरते हैं, जिनका चिंतन केवल किसी एक पंथ, सम्प्रदाय या राष्ट्र तक सीमित नहीं है, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के कल्याण का व्यापक दृष्टिकोण अपने भीतर समेटे हुए है। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व 'निर्गुण रंगी चदरिया' की उस अनुभूति को मूर्त करता है, जो गुणों के पार जाकर आत्मा की शुद्ध चेतना में स्थित होने का संदेश देती है। भगवद्गीता में अर्जुन को दिए गए श्रीकृष्ण के उपदेश 'त्रिगुणातीत बन जा' के अनुरूप आचार्य महाश्रमण का जीवन एक सजीव उदाहरण बनकर सामने आता है। उन्होंने सत्व, रज और तम के बंधनों को पार कर उस निर्गुण अवस्था को साधने का प्रयास किया है, जहाँ व्यक्ति न केवल आत्मबोध को प्राप्त करता है, बल्कि समष्टि के कल्याण का माध्यम भी बन जाता है। उनका यह दृष्टिकोण केवल दार्शनिक विमर्श नहीं, बल्कि व्यवहारिक जीवन में उतरा हुआ सत्य है। उनकी साधना 'सत्य की पूजा' नहीं करती, बल्कि 'सत्य की शल्य-चिकित्सा' करती है अर्थात् वे सत्य को केवल स्वीकार नहीं करते, बल्कि उसकी गहराई में उतरकर उसे परिष्कृत करते हैं।

आचार्य महाश्रमण का जीवन 'रहें भीतर, जीएँ बाहर' के सूत्र पर आधारित है। यह सूत्र आधुनिक जीवन की जटिलताओं में संतुलन स्थापित करने का एक अद्वितीय मार्ग प्रस्तुत करता है। आज का मनुष्य बाहरी उपलब्धियों की दौड़ में अपने भीतर के शून्य को अनदेखा कर देता है, जिसके परिणामस्वरूप तनाव, असंतोष और हिंसा का जन्म होता है। आचार्य महाश्रमण का चिंतन इस अंतर्विरोध को समाप्त करने का प्रयास करता है। वे सिखाते हैं कि यदि भीतर शांति और संतुलन है, तो बाहर का जीवन स्वतः ही सुव्यवस्थित हो जाता है। यही कारण है कि उनकी साधना केवल आत्मिक उन्नति तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का भी आधार बनती है। उनकी 'अहिंसा यात्रा' आज के समय की एक ऐतिहासिक और युगान्तरकारी पहल है, जो हमें दांडी यात्रा और भूदान आंदोलन की याद दिलाती है। यह यात्रा केवल एक पदयात्रा नहीं, बल्कि विचारों की क्रांति है- एक ऐसी क्रांति, जो हथियारों से नहीं, बल्कि संवाद, संवेदना और संस्कारों से संचालित होती है। देश-विदेश के विभिन्न क्षेत्रों में पैदल चलकर उन्होंने लाखों लोगों से सीधा संवाद स्थापित किया, उन्हें नशामुक्ति, सदाचार, नैतिकता और अहिंसा के मार्ग पर अग्रसर किया। आज जब विश्व के अनेक देश युद्ध और आतंकवाद की विभीषिका से जूझ रहे हैं, तब आचार्य महाश्रमण का यह प्रयास एक वैकल्पिक मार्ग प्रस्तुत करता है-एक ऐसा मार्ग, जहाँ शांति केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि एक व्यवहारिक संभावना बन जाती है। उनकी दृष्टि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को साकार करती है, जहाँ सम्पूर्ण विश्व एक परिवार के रूप में देखा जाता है। वे किसी व्यक्ति को उसके धर्म, जाति, वर्ग या क्षेत्र के आधार पर नहीं, बल्कि उसके भीतर विद्यमान गुणों के आधार पर आंकते हैं। यह दृष्टिकोण न केवल सामाजिक समरसता को बढ़ावा देता है, बल्कि वैश्विक स्तर पर शांति और सहयोग की नींव भी रखता है। आज जब पहचान की राजनीति और सांस्कृतिक विभाजन समाज को खंडित कर रहे हैं, तब आचार्य महाश्रमण का यह समन्वयवादी दृष्टिकोण अत्यंत प्रासंगिक हो उठता है।

आचार्य महाश्रमण की सादगी, विनम्रता और अनुशासन उनके व्यक्तित्व की विशिष्ट पहचान हैं। आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ जैसे महान आचार्यों के सान्निध्य में विकसित उनका जीवन एक ऐसी परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है, जो आत्मानुशासन और सेवा को सर्वोच्च मूल्य मानती है। बाल्यावस्था में ही दीक्षा लेकर उन्होंने जिस तप, त्याग और समर्पण का मार्ग अपनाया, वह आज के भौतिकतावादी युग में एक प्रेरणास्त्रोत है। उनकी जीवन यात्रा मोहनलाल से मुनि मुदितकुमार, फिर महाश्रमण और अंततः आचार्य बनने तक एक ऐसी साधना गाथा है, जो यह सिद्ध करती है कि आत्मबल और संकल्प से किसी भी ऊँचाई को प्राप्त किया जा सकता है। आचार्य महाश्रमण की बौद्धिक प्रतिभा भी उतनी ही प्रभावशाली है, जितनी उनकी आध्यात्मिक साधना। उत्तराध्ययन सूत्र और भगवद्गीता जैसे महान ग्रंथों का तुलनात्मक अध्ययन कर उन्होंने यह सिद्ध किया है कि सत्य किसी एक परंपरा का एकाधिकार नहीं है। उनके प्रवचनों का संकलन 'सुखी बनो' इस दृष्टि का सशक्त उदाहरण है, जिसमें उन्होंने जीवन को सरल, सार्थक और संतुलित बनाने के सूत्र प्रस्तुत किए हैं। उनका चिंतन आगम, दर्शन, तर्कशास्त्र, मनोविज्ञान और समाजशास्त्र जैसे विविध क्षेत्रों को समाहित करता है, जिससे उनका व्यक्तित्व एक बहुआयामी मनीषी के रूप में उभरता है।

आज के वैश्विक परिदृश्य में, जहाँ युद्ध की विभीषिका और परमाणु हथियारों की होड़ मानव अस्तित्व के लिए एक गंभीर खतरा बन चुकी है, वहाँ आचार्य महाश्रमण का 'अहिंसा का शंखनाद' एक जीवनदायी संदेश के रूप में सामने आता है। उनका यह विश्वास कि 'अहिंसा केवल एक सिद्धांत नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है', हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या वास्तव में हिंसा के माध्यम से स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है? उनका उत्तर स्पष्ट है-नहीं। शांति का मार्ग केवल संवाद, सहिष्णुता और करुणा से होकर गुजरता है। उनके प्रयासों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे केवल उपदेश नहीं देते, बल्कि स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। प्रतिदिन नई ऊर्जा और संकल्प के साथ वे मानव उत्थान के कार्यों में जुटे रहते हैं। उनकी दिनचर्या, उनका अनुशासन और उनका समर्पण यह दशार्ता है कि सच्चा नेतृत्व वही है, जो अपने आचरण से दूसरों को प्रेरित करे। उनके नेतृत्व में तेरापंथ धर्मसंघ न केवल संगठित और सशक्त हुआ है, बल्कि उसने समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य और नैतिक जागरण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

निश्चित तौर पर जैन धर्म के महान तपस्वी, अनुशासनप्रिय, दूरदर्शी और तेजस्वी आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत संगम बनी जैन विश्व भारती में इस वर्ष योगक्षेम वर्ष के रूप में एक नया आध्यात्मिक इतिहास रचा जा रहा है, आध्यात्मिक प्रशिक्षण की एक नई परंपरा विकसित की जा रही है। देशभर में विचरण करने वाले साधु-संतों को एक जगह बुलाकर आचार्य महाश्रमण उन्हें अध्यात्म का प्रशिक्षण दे रहे हैं। यह वास्तव में जैन धर्म का एक अनूठा और संभवतः पहला ऐसा व्यापक प्रयोग है, जिसमें वर्षभर तक साधु-साध्वियों के साथ-साथ श्रावक समाज को भी गहन एवं व्यवस्थित रूप से जैन एवं तेरापंथ दर्शन, अध्यात्म, योग, ध्यान, स्वाध्याय, संयम और जीवन मूल्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आचार्य श्री महाश्रमण की दूरदर्शी सोच, उनका अनुशासन, उनका साधना-प्रधान जीवन और समाज को आध्यात्मिक दिशा देने का उनका प्रयास वास्तव में अद्वितीय है। उन्होंने धर्म को केवल परंपरा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जीवन और समाज से जोड़ा। समय को बांधने की अद्भुत खूबी है उनमें। कम समय में अधिक काम। वह भी इतनी सहजता और निर्भरता से सम्पादित कर लेने की सामर्थ्य, उनकी कार्य व्यस्तता कभी व्यग्रता में नहीं बदलती। यह सब इसीलिए हो सकता है कि उनकी प्रत्येक प्रवृत्ति निवृत्ति से निथर कर आती है। उनकी क्रियाशीलता आंतरिक स्थिरता स्थितप्रज्ञता से अभिनिःसृत होती है।

बंपर वोटिंग का संदेश: क्या ज्यादा मतदान सत्ता की वापसी का संकेत है या बदलाव की आहट–जनता की चुप्पी में छिपा जनादेश

कांतिलाल मांडोत

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनावों में रिकॉर्ड तोड़ मतदान ने भारतीय लोकतंत्र की जीवंतता और परिपक्वता को एक बार फिर रेखांकित किया है। भीषण गर्मी, लंबी कतारें और कई जगहों पर तनावपूर्ण माहौल के बावजूद जिस तरह मतदाताओं ने उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया, वह सिर्फ एक चुनावी प्रक्रिया नहीं बल्कि लोकतांत्रिक भागीदारी का सशक्त प्रदर्शन है। यह सवाल अब स्वाभाविक रूप से उठता है कि इतनी भारी वोटिंग का अर्थ क्या है–क्या यह सत्तारूढ़ दल के पक्ष में जनसमर्थन का संकेत है या फिर परिवर्तन की इच्छा का प्रतीक?

इतिहास बताता है कि अधिक मतदान को एक ही नजरिए से नहीं देखा जा सकता। कई बार ज्यादा मतदान सत्ता में बैठे दल के पक्ष में गया है, तो कई बार यह बदलाव की लहर का संकेत भी बना है। इसलिए इस बार भी केवल प्रतिशत के आधार पर निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि जब सामान्य से कहीं अधिक मतदाता मतदान के लिए निकलते हैं, तो उसके पीछे कोई न कोई मजबूत भावनात्मक या राजनीतिक कारण जरूर होता है।

पश्चिम बंगाल में इस बार मतदान का प्रतिशत 90% के पार चला गया, जो अपने आप में एक असाधारण स्थिति है। यहां चुनाव हमेशा से राजनीतिक रूप से संवेदनशील और कभी-कभी हिंसक भी रहे हैं। इस बार भी छिटपुट हिंसा की घटनाएं सामने आईं, लेकिन इसके बावजूद लोगों का बड़ी संख्या में मतदान करना यह दशार्ता है कि वे अपने वोट के महत्व को समझते हैं और किसी भी परिस्थिति में लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग करना चाहते हैं। यहां मुख्य मुकाबला तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच है, और दोनों ही दल इस भारी मतदान को अपने-अपने पक्ष में बता रहे हैं।

तृणमूल कांग्रेस का मानना है कि यह मतदान उनके खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों और कथित मतदाता सूची पुनरीक्षण (SIR) के विरोध में जनता की प्रतिक्रिया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे 'जनता की आवाज' बताया है, जो उनके अनुसार बाहरी हस्तक्षेप और राजनीतिक दबाव के खिलाफ है। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी इसे 'परिवर्तन की लहर' के रूप में पेश कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषणों में दावा किया है कि जहां ज्यादा मतदान हुआ है, वहां भाजपा को बढ़त मिलती दिख रही है।

तमिलनाडु की स्थिति थोड़ी अलग लेकिन उतनी ही रोचक है। यहां परंपरागत रूप से द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के बीच सीधी टक्कर रहती है। इस बार भी यही मुकाबला देखने को मिल रहा है, लेकिन अभिनेता विजय की नई पार्टी ने समीकरणों को थोड़ा जटिल बना दिया है। रिकॉर्ड मतदान को यहां स्पष्ट जनादेश की संभावना के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि आमतौर पर तमिलनाडु में जब मतदान प्रतिशत बहुत अधिक होता है, तो मतदाता किसी एक पक्ष में स्पष्ट रूप से झुकाव दिखाते हैं।

इस बार के चुनावों में एक और महत्वपूर्ण पहलू महिलाओं की बढ़ती भागीदारी है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, कई क्षेत्रों में महिलाओं ने पुरुषों से अधिक मतदान किया है। यह केवल संख्या का मामला नहीं है, बल्कि यह सामाजिक बदलाव का संकेत भी है। महिलाएं अब केवल मतदाता नहीं रहीं, बल्कि वे निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। उनके मुद्दे–महंगाई, सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और परिवार की आर्थिक स्थिति–चुनावी विमर्श के केंद्र में आ चुके हैं।

अगर मुद्दों की बात करें तो दोनों राज्यों में स्थानीय और राष्ट्रीय दोनों तरह के मुद्दे प्रभावी रहे हैं। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा, भ्रष्टाचार के आरोप, केंद्र-राज्य संबंध और पहचान की राजनीति प्रमुख मुद्दे रहे हैं। वहीं तमिलनाडु में विकास, रोजगार, शिक्षा और क्षेत्रीय अस्मिता जैसे विषयों ने मतदाताओं को प्रभावित किया है। महंगाई और बेरोजगारी जैसे राष्ट्रीय मुद्दों का असर भी दोनों राज्यों में साफ दिखाई देता है।

बंपर वोटिंग का एक मनोवैज्ञानिक पहलू भी होता है। जब लोग बड़ी संख्या में मतदान करने निकलते हैं, तो यह

संकेत होता है कि वे मौजूदा स्थिति से संतुष्ट नहीं हैं या फिर वे किसी बदलाव को लेकर उत्साहित हैं। यह असंतोष भी हो सकता है और उम्मीद भी। इसलिए यह कहना मुश्किल है कि यह मतदान किसके पक्ष में जाएगा, लेकिन इतना तय है कि यह सामान्य चुनाव नहीं है।

राजनीतिक दलों के दावे अपनी जगह हैं, लेकिन असली तस्वीर 4 मई को सामने आएगी जब नतीजे घोषित होंगे। तब यह स्पष्ट होगा कि जनता ने किस पर भरोसा जताया और किसे नकार दिया। फिलहाल, यह कहा जा सकता है कि इस बार का चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं है, बल्कि यह जनता की आकांक्षाओं, उम्मीदों और असंतोष का प्रतिबिंब है।

अंततः, बंपर वोटिंग लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह दशार्ता है कि जनता जागरूक है, सक्रिय है और अपने अधिकारों के प्रति गंभीर है। चाहे परिणाम कुछ भी हों, यह भागीदारी ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है।

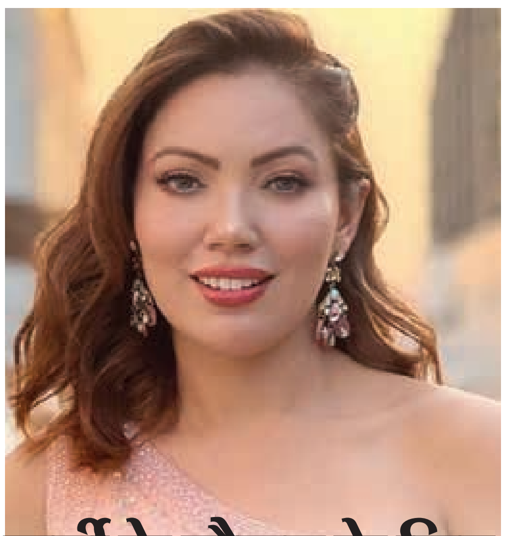

गर्मी के मौसम के लिए मुनमुन दत्ता ने साझा किए देसी ड्रिंक

छोटे परदे की लोकप्रिय अभिनेत्री मुनमुन दत्ता ने अपने समर मॉर्निंग रूटीन की एक झलक सोशल मीडिया पर साझा की है। यह पोस्ट उनके फैंस को बेहद पसंद आ रही है। मुनमुन दत्ता ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए यह बताया है कि वह अपनी सुबह की शुरुआत किस तरह से करती हैं ताकि गर्मियों में भी तरोताजा और स्वस्थ रह सकें। तारक मेहता का उल्टा चश्मा सीरियल में बबीता जी के किरदार से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो और कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें उनके हेल्दी नाश्ते और पेय पदार्थों की स्पष्ट झलक देखने को मिल रही है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैंने सुबह के लिए एक ऐसी ड्रिंक तैयार की है, जो पेट की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है और शरीर को अंदर से मजबूत बनाती है। यह कैप्शन ही उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और आयुर्वेदिक सिद्धांतों में उनके विश्वास को दर्शाता है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि मुनमुन दत्ता छाछ से एक विशेष पेय बना रही हैं, जिसे वह पेट की सेहत के लिए बेहद बेहतरीन ड्रिंक मानती हैं। इसे तैयार करते समय उन्होंने उसमें बारीक कटा हुआ प्याज, ताजा हरा धनिया और अन्य कई स्वास्थ्यवर्धक चीजों को मिलाया, जिससे इसका स्वाद और पौष्टिकता दोनों बढ़ जाती है। छाछ, जिसे दही से बनाया जाता है, पारंपरिक रूप से गर्मियों में शरीर को ठंडक देने और पाचन को सुधारने के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसके अलावा, मुनमुन ने एक और तस्वीर के माध्यम से एक और खास देसी ड्रिंक के बारे में जानकारी दी, जिसे रागी अंबली कहा जाता है। उन्होंने कैप्शन में बताया, यह देसी पेय पाचन को बेहतर बनाता है। साथ ही, यह गर्मियों में शरीर को ठंडक पहुंचाने का भी काम करता है। यह शरीर को हल्का महसूस कराता है और ऊर्जा का स्तर बनाए रखता है। रागी अंबली, जो रागी के आटे से बनता है, दक्षिण भारत में एक लोकप्रिय और पौष्टिक पेय है, जो फाइबर और कैल्शियम से भरपूर होता है। मुनमुन दत्ता अपनी फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर व्यायाम, योग और स्वस्थ खानपान से जुड़े वीडियो और तस्वीरें साझा करती रहती हैं। उनका दृढ़ता से मानना है कि फिट और स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम के साथ-साथ सही और संतुलित खानपान भी उतना ही आवश्यक है।

समीरा रेड्डी का आखिरी सवाल से कमबैक

संजय दत्त की आगामी फिल्म 'आखिरी सवाल' इस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बन गई है, जिसकी दर्शक बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे हैं। हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर इसका टीजर जारी किया गया, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

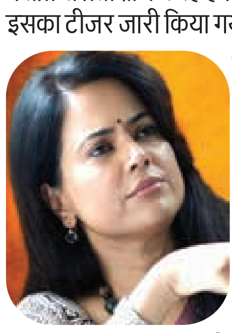

(आरएसएस) के इतिहास की एक ऐसी झलक दिखाई गई है, जिसे पहले कभी इस अंदाज में नहीं देखा गया था। यह टीजर दर्शकों के बीच गहरी उत्सुकता जगा रहा है और उन्हें एक नई कहानी से जोड़ने का वादा करता है। इस फिल्म के जरिए लंबे अंतराल के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहीं अभिनेत्री समीरा रेड्डी ने अपने किरदार और फिल्म के चुनाव को अपने करियर का सबसे बड़ा और निडर फैसला बताया है। उन्होंने कहा, मैंने फिल्मों में वापसी सिर्फ सुरक्षित भूमिकाएं निभाने के लिए नहीं की है, और 'आखिरी सवाल' बिल्कुल भी आसान फिल्म नहीं है। समीरा ने आगे बताया, आरएसएस को लेकर मेरी समझ पहले सीमित थी, लेकिन जब मैंने इसकी स्क्रिप्ट पढ़ी तो महसूस हुआ कि कई बातें वैसी नहीं हैं जैसी दिखती हैं।

एक समय खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं मालविका

हाल ही में साउथ की मशहूर अभिनेत्री मालविका मोहनन ने बताया कि एक वक्त ऐसा आया था, जब वह अंदर से पूरी तरह टूट गई थीं। अभिनेत्री ने अपने फैंस के साथ दिल की बात साझा की। मालविका ने खुलासा किया कि परिवार और अपने करीबियों से दूर रहने की वजह से वह खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं। यह खुलासा मालविका मोहनन ने इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ आयोजित किए गए आस्क मी एनीथिंग सेशन के दौरान किया। इस सत्र के दौरान एक प्रशंसक ने उनसे पूछा कि वह आखिरी बार कब रोई थीं? इस सवाल का जवाब देते हुए मालविका ने बेहद ईमानदारी से अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया, पिछले महीने में काम के सिलसिले में चेन्नई में थी। मुझे वहां काफी लंबे समय तक रुकना पड़ा। मेरी टीम बहुत अच्छी थी और काम भी सुचारु रूप से चल रहा था, लेकिन लंबे समय तक घर और परिवार से दूर रहने के कारण मैं धीरे-धीरे अकेलापन महसूस करने लगी थी। मालविका ने अपनी भावनाओं को विस्तार से बताते हुए कहा, दिनभर शूटिंग और काम में व्यस्त रहने के बाद, जब मैं रात को अपने होटल के कमरे में लौटती थी, तो वहां मुझसे बात करने वाला कोई नहीं होता था। यह बात मुझे अंदर ही अंदर परेशान करने लगी थी। मैं मानसिक रूप से काफी उदास थी और लगातार अकेले रहने का गहरा असर मेरे मन पर पड़ने लगा था, जिसकी वजह से मुझे रोना आता था।

उनका यह अनुभव दिखाता है कि किस तरह बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री के सितारों को भी आम इंसानों की तरह भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, भले ही उनकी जिंदगी बाहर से कितनी भी चकाचौंध भरी क्यों न लगे। अपने निजी अनुभवों को साझा करने के साथ-साथ मालविका ने अपने आने वाले प्रोफेशनल प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बात की, जो उनके जीवन में आगे बढ़ने का एक संकेत है। उन्होंने बताया कि वह इस समय अभिनेता विजय सेतुपति के साथ एक तमिल फिल्म में काम कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन प्रतिभाशाली त्यागराजन कुमार राजा कर रहे हैं, जिनकी तारीफ करते हुए मालविका ने कहा कि वह सबसे बेहतरीन फिल्म निर्माताओं में से एक हैं। मालविका ने यह भी बताया कि इस फिल्म का नाम पॉकेट नॉवेल है और यह इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। उन्होंने कहा, इस प्रोजेक्ट को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं और उम्मीद करती हूं कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए एक खास अनुभव रहा है।

आमिर ने नए दौर के स्टार्स की आदतों पर जताई नाराजगी

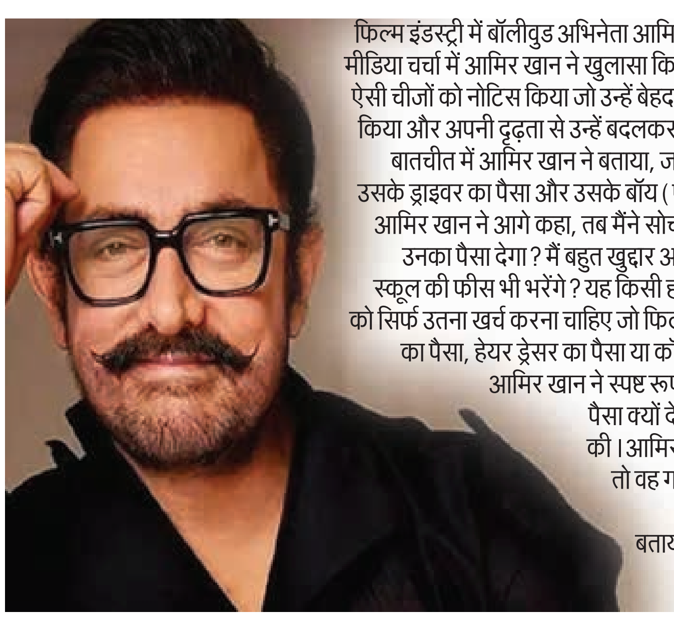

फिल्म इंडस्ट्री में बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान ने कुछ चीजों को अपनी दूरदर्शिता और सिद्धांतों के दम पर बदला है। मीडिया चर्चा में आमिर खान ने खुलासा किया था कि जब वह नए-नए भारतीय सिनेमा जगत में आए थे, तो उन्होंने कुछ ऐसी चीजों को नोटिस किया जो उन्हें बेहद अजीब और अनुचित लगीं। आमिर खान ने इन चीजों को बदलने का फैसला किया और अपनी दृढ़ता से उन्हें बदलकर ही दम लिया, जिससे बॉलीवुड में एक नया मानक स्थापित हुआ। मीडिया से बातचीत में आमिर खान ने बताया, जब मैं इंडस्ट्री में आया था, तब एक सिस्टम था कि जब कोई स्टार आता है, तो उसके ड्राइवर का पैसा और उसके बॉय (पर्सनल असिस्टेंट) का पैसा प्रोड्यूसर देता है। इस प्रथा पर सवाल उठाते हुए आमिर खान ने आगे कहा, तब मैंने सोचा कि यार, बॉय और ड्राइवर तो मेरे लिए काम करते हैं ना। तो प्रोड्यूसर क्यों उनका पैसा देगा? मैं बहुत खुद्दार आदमी हूं, मुझे नहीं चाहिए कि आप मेरे पैसे दें। कल को क्या आप मेरे बच्चे के स्कूल की फीस भी भरेंगे? यह किसी हद पर जाकर तो रुकना चाहिए ना। आमिर खान का मानना था कि प्रोड्यूसर को सिर्फ उतना खर्च करना चाहिए जो फिल्म के निर्माण पर आधारित है। उन्होंने सुझाया कि प्रोड्यूसर को मेकअप मैन का पैसा, हेयर ड्रेसर का पैसा या कॉस्ट्यूम वाले का पैसा देना चाहिए, क्योंकि ये सब सीधे फिल्म से जुड़े होते हैं। आमिर खान ने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्हें यह पसंद नहीं था कि प्रोड्यूसर उनके बॉय और ड्राइवर का पैसा क्यों देंगे। उन्होंने नए दौर के स्टार्स की कुछ आदतों पर अपनी नाराजगी भी जाहिर की। आमिर खान ने कहा, जब आप एक हद से ज्यादा प्रोड्यूसर को तंग करने लगते हो, तो वह गलत है। जब मैं सुनता हूं कि आपकी जरूरतों और फरमाइशों की लिस्ट जब बहुत लंबी होती चली जाती है, तो मुझे बहुत तकलीफ होती है। सुपरस्टार ने बताया कि उनके बॉय और ड्राइवर उनके लिए काम करते हैं और इसलिए वह उन्हें खुद पैसा देंगे।

मेरे लिए दोस्त ही सबसे बड़ी ताकत और खुशी है: मनीषा कोइराला

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री मनीषा कोइराला आज भी भारतीय सिनेमा और अन्य मंचों पर सक्रिय हैं। दिल से, मन और गुप्त जैसी कई फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री को हाल ही में संजय लीला भंसाली की भव्य पीरियड ड्रामा हीरामंडी- द डायमंड बाजार में देखा गया। मनीषा कोइराला अक्सर कला और संस्कृति से जुड़े अपने अनुभवों को साझा करती रही हैं। हाल ही में उन्होंने नेपाल के एक प्रतिष्ठित म्यूजियम का दौरा किया, जहां उन्होंने अपने देश नेपाल की समृद्ध संस्कृति और अद्भुत कला से रूबरू होने का अवसर पाया। मनीषा कोइराला ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें वह अपने दोस्तों के साथ खुशी के पल बिताती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि उनके लिए उनके दोस्त ही सबसे बड़ी ताकत और खुशी की कुंजी हैं। इस व्यक्तिगत पोस्ट के अलावा, अभिनेत्री ने नेपाल म्यूजियम की कुछ अद्भुत तस्वीरें भी साझा की हैं, जिनमें बौद्ध और हिंदू धर्म की कलात्मक झलक एक साथ देखने को मिल रही है। इन तस्वीरों में एक तरफ भगवान शिव के नटराज अवतार की भव्य पेंटिंग दिखाई देती है, तो दूसरी तरफ बौद्ध संस्कृति को दर्शाती शांतिपूर्ण और गहन कलाकृतियां हैं। एक पेंटिंग में अलग-अलग भाषाओं में कई प्राचीन मंत्र लिखे हुए हैं, जबकि कुछ पेंटिंग मां काली के रौद्र और शक्तिशाली रूप को अत्यंत कलात्मक ढंग से प्रदर्शित करती हैं। इन प्यारी और कलात्मक तस्वीरों को साझा करते हुए मनीषा ने लिखा, मुझे कुछ अद्भुत कलाकारों और मेरे दोस्तों का काम नेपाली कला संग्रहालय में देखने का मौका मिला। थंका और पौभा, जो समृद्ध नेवारी कला परंपराओं के प्रतीक हैं, उनके प्रति मेरा प्रेम समय के साथ और गहरा होता जा रहा है। हर कलाकृति में ऐसी भक्ति, इतिहास और आत्मा समाई हुई है। इसे देखना और इसके बारे में सीखना सचमुच एक विशेष और प्रेरणादायक अनुभव था। अभिनेत्री ने अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि संग्रहालय में प्रदर्शित हर कलाकृति को इतने प्यार और बारीकी से तैयार किया गया था कि वे बिल्कुल जीवंत लगती थीं। उन्होंने महसूस किया कि हर प्रतिमा और पेंटिंग से कुछ न कुछ नया सीखने को मिल रहा है, जो उनके मन को शांति और प्रेरणा प्रदान कर रहा था। मनीषा ने इस बात का भी खुलासा किया कि उनकी भाभी भी काफी सालों से नेपाल में रहकर एक आर्ट एकेडमी चला रही हैं। उन्होंने कहा कि, किसी भी विदेशी महिला के लिए इस तरह की संस्था को बिल्कुल शुरुआत से शुरू करना आसान नहीं होता, लेकिन उनकी भाभी ने अपनी लगन और मेहनत से इसे संभव कर दिखाया है। मनीषा ने गर्व से बताया कि आज उनकी भाभी की दृढ़ता और परिश्रम की बदौलत ही इस संस्था ने कला जगत में एक मजबूत और सम्मानित नाम कमाया है, जो नेपाल की कला और संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी में इम्तियाज अली की मैं वापस आऊंगा

मशहूर फिल्ममेकर इम्तियाज अली अपनी आगामी रोमांटिक पीरियड ड्रामा मैं वापस आऊंगा को जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी में हैं। यह फिल्म 1947 के भारत-पाकिस्तान विभाजन की हृदय विदारक पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें प्यार, यादें और घर वापसी की एक मार्मिक कहानी को खूबसूरती से दिखाया जाएगा। हाल ही में, इम्तियाज अली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पटियाला में फिल्म की टीम के साथ एक खूबसूरत सूर्यास्त का आनंद लेते हुए एक तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में वे घर पर आराम से बैठे नजर आ रहे हैं, और उनके साथ अभिनेता वेदांग रैना, अभिनेत्री शरवरी सहित कई कलाकार मौजूद हैं। सभी लोग किसी मजेदार बातचीत में व्यस्त दिखाई दे रहे हैं, जिससे लगता है कि शूटिंग के दौरान का माहौल काफी खुशगवार और दोस्ताना रहा होगा। इम्तियाज अली ने अपनी इस पोस्ट के जरिए शूटिंग के उन यादगार पलों को फिर से ताजा किया, खासकर पटियाला के उस सुंदर सूर्यास्त को जो अब भी उनकी यादों में तरोताजा है। इस तस्वीर को साझा करते हुए इम्तियाज अली ने लिखा, शूटिंग की यादें, पटियाला में सुनहरे सूर्यास्त शरवरी और वेदांग रैना के साथ। फिल्म का नया गाना क्या कमाल है भी हाल ही में रिलीज हुआ है। मेकर्स ने दर्शकों में फिल्म के प्रति उत्सुकता जगाने के लिए पहले गाने का ऑडियो जारी किया था, और कुछ दिनों बाद ही इसका वीडियो भी रिलीज कर दिया। दर्शकों ने ऑडियो और वीडियो दोनों को ही बेहद पसंद किया है। इस गाने के जरिए निर्देशक इम्तियाज अली, संगीतकार एआर रहमान और गीतकार इरशाद कामिल की एक बार फिर से सफल तिकड़ी वापसी हुई है, जिन्होंने अतीत में कई यादगार गाने दिए हैं। इस खास गाने को दिलजीत दोसांझ ने अपनी भावपूर्ण आवाज दी है, जबकि इसका संगीत एआर रहमान ने तैयार किया है और इरशाद कामिल ने इसके दिल को छू लेने वाले बोल लिखे हैं। फिल्म मैं वापस आऊंगा में दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, शरवरी और वेदांग रैना जैसे प्रतिभाशाली कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत एआर रहमान दे रहे हैं, जो इसकी भावनात्मक गहराई को और बढ़ाएगा। यह फिल्म विभाजन के दर्द और व्यक्तियों के बीच रिश्तों की गहराई को छूती हुई एक शक्तिशाली रोमांटिक कहानी पेश करेगी। इम्तियाज अली अपनी भावुक और यादगार फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, और उम्मीद है कि यह फिल्म भी उनकी इसी पहचान को बरकरार रखेगी। यह फिल्म 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

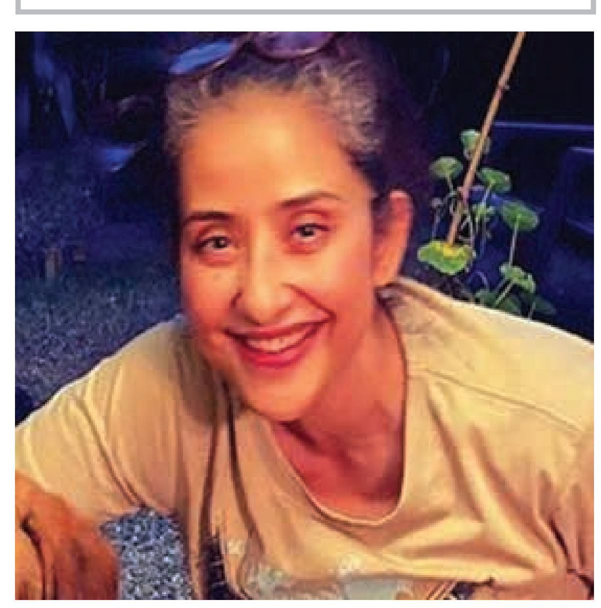

सुभाष घई ने की राजा शिवाजी की दिल खोलकर तारीफ

हाल ही में अपनी घोषणा के बाद से चर्चा में रही फिल्म राजा शिवाजी अब एक नए स्तर पर पहुंच गई है। अभिनेता-निर्देशक रितेश देशमुख के निर्देशन में बनी फिल्म राजा शिवाजी मराठा साम्राज्य के संस्थापक, छत्रपति शिवाजी महाराज के असाधारण जीवन पर आधारित है। फिल्म के ट्रेलर और पोस्टर सामने आने के बाद से ही दर्शकों में इसे लेकर अपार उत्साह देखा जा रहा है, और अब इस उत्साह को दिग्गज फिल्ममेकर सुभाष घई की प्रतिक्रिया ने और बढ़ा दिया है। फिल्म राजा शिवाजी का पोस्टर अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर साझा करते हुए, भारतीय सिनेमा के इस अनुभवी निर्माता-निर्देशक ने फिल्म की दिल खोलकर तारीफ की। उन्होंने फिल्म के ट्रेलर को बेहद दमदार बताते हुए भविष्यवाणी की कि यह दर्शकों को एक अनूठा और जादुई सिनेमाई अनुभव प्रदान करेगी। अपने पोस्ट में सुभाष घई ने लिखा, सोचिए, जब ट्रेलर ही इतना रॉकिंग है, तो फिल्म कैसी होगी। थिएटर में फिल्म देखने का अनुभव और भी खास और जादुई होने वाला है।

यह फिल्म दर्शकों को एक अलग ही स्तर का सिनेमाई अनुभव देने वाली है। उनकी यह टिप्पणी फिल्म के प्रति बढ़ती उम्मीदों को और बल देती है, खासकर जब यह एक ऐसे मास्टर फिल्ममेकर से आई हो, जिन्होंने भारतीय सिनेमा को कई कालजयी फिल्में दी हैं। सुभाष घई ने रितेश देशमुख के इस प्रोजेक्ट के प्रति जुनून और कड़ी मेहनत की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि रितेश ने न केवल अभिनय के मोर्चे पर बल्कि कहानी लेखन और निर्देशन के क्षेत्र में भी शानदार काम किया है। उनके अनुसार, फिल्म में देशभक्ति की भावना साफ नजर आती है, जो दर्शकों के दिलों को छू लेगी। घई ने विश्वास व्यक्त किया कि यह फिल्म न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफल होगी, बल्कि दर्शकों के बीच एक स्थायी छाप भी छोड़ेगी। उन्होंने फिल्म में शामिल अन्य कलाकारों, विशेष रूप से संजय दत्त और अभिषेक बच्चन के योगदान को भी सराहा, यह मानते हुए कि इन अनुभवी सितारों ने रितेश के दृष्टिकोण को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे फिल्म की गुणवत्ता और प्रभाव कई गुना बढ़ गया है। राजा शिवाजी फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन के संघर्ष, साहस और असाधारण नेतृत्व को बड़े परदे पर उतारने का एक महत्वाकांक्षी प्रयास है। यह सिर्फ इतिहास की एक कहानी नहीं है, बल्कि प्रेरणा और देशभक्ति का एक गहरा संदेश भी देती है। फिल्म में रितेश देशमुख स्वयं मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जिनके साथ संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, भाग्यश्री, फरदीन खान, जितेंद्र जोशी, अमोल गुप्ते और जेनेलिया देशमुख जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों का एक विशाल समूह है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com